Title code-RAJHIN28006

प्रदेश का लोकप्रिय समाचार पत्र

हिन्दुस्तान की जान

वर्षः 01 | अंकः 267 | दैनिक | चूरू, गुरूवार 11 अप्रैल, 2024 | पृष्ठः8 | मूल्यः 2.50 रुपए | हिन्दी

कांग्रेस नेता सीताराम अग्रवाल भाजपा में शामिल, डिप्टी सीएम दीया कुमारी ने कांग्रेस को बताया कोरोना

जयपुर

राजस्थान में लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा में कांग्रेस नेताओं के शामिल होने का सिलसिला लगातार जारी है। एक के बाद एक बड़े नेता कांग्रेस का हाथ छोड़ भाजपा के कमल को थाम रहे हैं। इसी सिलसिले में बुधवार को कांग्रेस को जयपुर में बड़ा झटका लगा है। विद्याधर नगर से कांग्रेस के दो बार प्रत्याशी रहे सीताराम अग्रवाल ने कई पार्षदों के साथ भाजपा की सदस्यता ले ली। इस दौरान उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी, प्रदेश उपाध्यक्ष नारायण पंचारिया, प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बागड़ी और ओंकार सिंह लखावत ने सीताराम अग्रवाल के साथ आए तीन सौ से ज्यादा कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पटका पहनाकर भाजपा की सदस्यता ग्रहण कराई। इस दौरान सीताराम अग्रवाल ने कहा कि सुबह का भूला शाम को घर आ गया है, हालांकि आने में 10 साल लगे। लेकिन अब पीएम मोदी के 400 पार के नारे को साकार करने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। वहीं, डिप्टी सीएम दीया कुमारी ने कहा कि जिस तरह से कोरोना से मुक्ति मिली है, वैसे ही जल्दी राजस्थान में कांग्रेस से भी मुक्ति मिलेगी। सीताराम अग्रवाल ने कहा कि मेरे राजनीतिक जीवन का आज महत्वपूर्ण दिन है। आज मैं भाजपा में शामिल हो रहा हूं, यह मेरे लिए इस तरह से है कि सुबह का भूला शाम को घर आए। मैं 10 साल पहले रास्ता भूल गया था, अब मुझे रास्ता मिल गया और मैं भाजपा परिवार में शामिल हो रहा हूं। उन्होंने कहा कि देर आए, लेकिन दुरुस्त आए। मैं लेट से आया हूं, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 400 पार के सपने को पूरा करने में कहीं पर भी पीछे नहीं रहूंगा। सीताराम अग्रवाल ने कहा कि जैसे ही मेरे भाजपा में शामिल होने की चर्चा सामने आई, उसके बाद से मेरे ऊपर लगातार काफी दबाव रहा। रात एक बजे तक मुझे दबाव में लेने की कोशिश की गई। इसलिए मुझे घर से बाहर तक रहना पड़ा। सीताराम अग्रवाल ने कहा कि मैं सौगंध खाता हूं कि कभी बीजेपी को धोखा नहीं दूंगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 400 पार के नारे को हम सब मिलकर साकार करेंगे। राजस्थान में 25 की 25 सीट फिर से बीजेपी जीतेगी, इसके लिए हम सभी मिलकर प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि जीत तो राजस्थान में बीजेपी की सभी सीटों पर होनी है, लेकिन हमें और अधिक मार्जिन से जीतना है और इसी के लिए हम सब मिलकर आज से ही जुट जाएंगे। उधर, उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने कहा कि सीताराम अग्रवाल परिवार में शामिल हुए हैं।

भाटी को घेरने आ रही है बीजेपी नेताओं की फौज

जयपुर

राजस्थान की सियासत में बाड़मेर जैसलमेर लोकसभा सीट काफी सुर्खियों में है। निर्दलीय प्रत्याशी रविंद्र सिंह भाटी ने बीजेपी और कांग्रेस दोनों के सियासी समीकरणों को बिगाड़ रखा है। इधर, बीजेपी भाटी को रोकने के लिए विशेष प्लान के तहत काम कर रही है। 12 अप्रैल को खुद पीएम नरेंद्र मोदी भी चुनावी सभा करने वाले हैं। कुल मिलाकर बीजेपी भाटी को हर तरफ से घेरने का प्रयास कर रही है। लेकिन इस बीच रविंद्र भाटी अपने खास प्लानिंग के तहत लोकसभा क्षेत्र को छोड़कर गुजरात और महाराष्ट्र के दौरे पर हैं। जिसकी सियासी गलियारों में जमकर चर्चा हो रही है। गुजरात और महाराष्ट्र में भाटी अपनी सियासी समीकरणों को मजबूत करने में जुटे हुए हैं। इस दौरान गुजरात और महाराष्ट्र में रविंद्र सिंह भाटी के स्वागत में समर्थकों का जोश दिखाई दे रहा है। उससे सब हैरान है।

भाटी को घेरने आ रही है बीजेपी नेताओं की फौज

बाड़मेर जैसलमेर लोकसभा सीट पर भाटी को रोकने के लिए बीजेपी के कई बड़े नेताओं के मोर्चा संभालने जा रहे हैं। बीजेपी नेता स्मृति ईरानी, योगी आदित्यनाथ और अमित शाह जैसे कई फायर ब्रांड नेताओं की रैलियां भाटी के इलाके में होने जा रही है। इसी के साथ बागेश्वर बाबा का वहां आ रहे हैं। माना जा रहा है कि एक बड़ा वोट बैंक भाटी के पक्ष में हैं और अगर उसे नहीं तोड़ा गया तो इस सीट से बीजेपी को हार का सामना करना पड़ सकता है।

भाटी ने गुजरात और महाराष्ट्र में खेल दिया 'मास्टर स्ट्रोक'

राजस्थान के बाहर भी दिखा भाटी का जलवा

बाड़मेर लोकसभा क्षेत्र में रविंद्र सिंह भाटी का जलवा सबको पता है। नामांकन रैली में युवाओं की भीड़ ने कांग्रेस और बीजेपी की नींदे उड़ा दी। लेकिन यह जलवा बाड़मेर जैसलमेर लोकसभा क्षेत्र में ही सीमित नहीं है, बल्कि गुजरात और महाराष्ट्र में भी रविंद्र सिंह भाटी का युवाओं में गजब का क्रेज देखने को मिला है। इस दौरान गुजरात और महाराष्ट्र के विभिन्न शहरों में प्रवासियों को साधने के लिए भाटी ने जनसभाओं को संबोधित किया है। वहां भी भाटी ने अपने चिर परिचित अंदाज में राजस्थानी भाषा में संबोधित किया। जिसको सुनने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। इस दौरान सभा में लोगों का जो उत्साह दिखाई दे रहा है, उससे साफ लग रहा है कि रविंद्र सिंह भाटी का जलवा राजस्थान से बाहर लोगों में भी है।

लोगों को उत्साहित देखकर भाटी भी हुए गदगद

रविंद्र ने 8 अप्रैल को अहमदाबाद से प्रवासी वोर्ट्स को साधने का काम शुरू किया है। जो बड़ोदरा, भरूच, सूरत तक चला। जिसके बाद देर रात जब रविंद्र गुजरात-महाराष्ट्र की बॉर्डर पर पहुंचे तो रात को 2:15 बजे के करीब उनके समर्थकों का हुजूम उमड़ पड़ा। इसे देख रविंद्र भाटी भी गदगद हो उठे। रविंद्र हैदराबाद, चेन्नई, मुंबई, पुणे और अन्य विभिन्न शहरों में बाड़मेरङ्कजैसलमेरङ्कबालोतरा लोकसभा क्षेत्र के प्रवासियों से मुलाकात कर आगामी लोकसभा चुनावों के लिए प्रवासियों का समर्थन और वोट जुटाने में लगे हुए हैं।

राजस्थान प्रवासियों को साधने का भाटी का 'मास्टर प्लान

बीजेपी भले ही रविंद्र सिंह भाटी को हर तरफ से घेरने के लिए जुटी हुई है, लेकिन भाटी ने इसका तोड़ निकाल लिया है। भाटी इस समय अपने लोकसभा क्षेत्र को छोड़कर गुजरात महाराष्ट्र में प्रवासियों को साधने में जुटे हुए हैं। रविंद्र सिंह भाटी 8 अप्रैल से प्रवासियों को संपर्क करने के लिए राजस्थान से बाहर हैं। वह 12 अप्रैल तक वहीं रहेंगे। इस बीच भाटी ने गुजरात और महाराष्ट्र के अलग-अलग शहरों में जाकर जनसभाओं को संबोधित किया है। भाटी को सुनने के लिए हजारों की भीड़ पहुंच रही है।

राजेंद्र गुढ़ा ने फिर पलटी मारी, शुभकरण चौधरी का विरोध छोड़ अब समर्थन में करेंगे प्रचार

गहलोत का ऋण भी चुकाएंगे!

जयपुर/झुंझुनूं।

राजस्थान केझुंझुनूं जिले के उदयपुरवाटी से पूर्व विधायक रहे राजेंद्र सिंह गुढ़ा कल तक अपने विधानसभा क्षेत्र में जनसंपर्क यात्रा निकाल रहे थे। इस यात्रा के दौरान वे झुंझुनू से भाजपा प्रत्याशी शुभकरण चौधरी को मतदान नहीं करने की अपील कर रहे थे। गुढ़ा ने शुभकरण चौधरी पर जातिवादी और भ्रष्टाचारी होने का आरोप लगाते हुए खुलेआम ऐलान किया कि ये व्यक्ति झुंझुनूं से हरगिज नहीं जीतना चाहिए। अब पिछले तीन-चार दिन में गुढ़ा ने दर्जनों गांवों में जाकर भाजपा प्रत्याशी को वोट नहीं देने की अपील की है। वहीं गुढ़ा बुधवार को भाजपा के पक्ष में खड़े हो गए हैं। जयपुर में राजेंद्र सिंह गुढ़ा ने भाजपा के नेताओं के साथ एक होटल में प्रेस वार्ता की। इस प्रेसवार्ता में गुढ़ा ने कहा कि वे शिवसेना पार्टी से हैं और राष्ट्रीय स्तर पर शिवसेना का बीजेपी के साथ गठबंधन है। इसलिए वे राजस्थान भाजपा के सभी प्रत्याशियों के समर्थन में प्रचार करेंगे। बता दें कि गुढ़ा ने 2018 में बसपा से विधानसभा चुनाव लड़ा था, फिर कांग्रेस में शामिल हो गए। 2023 के विधानसभा चुनाव में शिवसेना से चुनाव लड़ा। विधानसभा चुनाव में बीजेपी के प्रत्याशी शुभकरण चौधरी को चुनौती दी थी। और अब वो उन्हीं के समर्थन में खड़े नजर आएंगे। गहलोत राज में मंत्री रहे राजेंद्र सिंह गुढ़ा ने कहा कि वे शिवसेना शिंदे गुट के राजस्थान कॉर्डिनेटर हैं। राष्ट्रीय स्तर पर पार्टी का एलायंस है।

सैनिक स्कूलों में एक राजनीतिक विचारधारा लाने की कोशिशः खरगे

नई दिल्ली

कांग्रेस ने बुधवार को देश के सैनिक स्कूलों पर मंडराते राजनीतिकरण के खतरे की आशंका जताते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को लेटर लिखा, जिसमें पार्टी ने आरोप लगाया कि बीजेपी नीत केंद्र सरकार देश के सैनिक स्कूलों में एक राजनीतिक विचारधारा लाने की कोशिश कर रही है। कांग्रेस की ओर से यह लेटर पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने लिखा, जिसमें उन्होंने एक आरटीआई से मिली जानकारी के हवाले से कहा कि बीजेपी सरकार द्वारा सैनिक स्कूलों में पीपीपी मॉडल के लागू किए जाने के बाद जो निजीकरण हो रहा है, उसमें लगभग 62 फीसदी स्कूलों का स्वामित्व बीजेपी व संघ से जुड़े लोगों के पास है। वहीं कांग्रेस ने राष्ट्रपति से मांग की कि राष्ट्रीय हित में कांग्रेस इस निजीकरण नीति को पूरी तरह से वापस लेने और इन एमओयू को रद्द करने की मांग करती है, ताकि सैनिक स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चे राष्ट्र की सेवा के लिए जूरी चरित्र, दृष्टि और सम्मान बरकरार रख सकें। खरगे ने आजाद के बाद देश में सैनिक स्कूलों शुरू किए जाने की सोच को रेखांकित करते हुए कहा कि ये स्कूल भारत के पहले प्रधानमंत्री पं नेहरू द्वारा 1961 में स्थापित किए गए थे।

कांग्रेसियों के खिलाफ प्रचार करेगी कांग्रेस, अपने ही गढ़ में किया गठबंधन

जयपुर

राजस्थान में बांसवाड़ा लोकसभा सीट कांग्रेस के जी का जंजाल बनी हुई है। यहां कांग्रेस खुद के कंडीडेट के खिलाफ ही प्रचार-प्रसार करती दिखेगी। खास बात यह है कि बांसवाड़ा सीट कांग्रेस का गढ़ मानी जाती है। लोकसभा चुनावों के 72 साल में पहली बार ऐसा होगा जब कांग्रेस का प्रत्याशी तो चुनावी मैदान में होगा, लेकिन कांग्रेस उसके खिलाफ प्रचार करेगी। दरअसल, यहां कांग्रेस ने भारत आदिवासी पार्टी के साथ गठबंधन किया है। बांसवाड़ा लोकसभा सीट पर अब तक 17 लोकसभा चुनाव हुए हैं जिसमें से कांग्रेस ने 12 पर जीत दर्ज की है। कांग्रेस यहां से लगातार पांच बार चुनाव जीतने का रिकॉर्ड भी बना चुकी है। इसके बाजवूद कांग्रेस को चुनाव से 6 महीने पहले बनी पार्टी से गठबंधन करना पड़ा। कांग्रेस यहां अपने प्रत्याशी तक खड़े नहीं करना चाहती थी। लेकिन कुछ स्थानीय नेताओं के दवाब के चलते प्रत्याशी खड़ा किया गया मगर जब पार्टी के बीएपी के साथ

गठबंधन किया जो उम्मीदवार ने नामांकन वापस लेने से इनकार कर दिया। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रहे महेंद्रजीत सिंह मालवीया पार्टी बदलकर भाजपा में शामिल हो गए। वे यहां भाजपा की टिकट पर चुनाव लड़ रहे हैं। ऐसे में मालवीया को रोकने के लिए कांग्रेस को भारतीय आदिवासी पार्टी से गठबंधन करना पड़ा। प्रत्याशी और गठबंधन को लेकर डूंगरपुर और बांसवाड़ा के कांग्रेस के नेताओं में भी दो फाड़ हो गए हैं। डूंगरपुर के शीर्ष नेता कांग्रेस प्रत्याशी उतारने के मूड में नहीं थे, जबकि स्थानीय नेता गठबंधन के पक्ष में नहीं थे। पार्टी आलाकमान द्वारा भारत आदिवासी पार्टी के साथ गठबंधन के निर्णय के बाद भी कांग्रेस के सिंबल पर चुनाव लड़ रहे प्रत्याशियों के नामांकन पत्र वापस नहीं लिए। इसके चलते कांग्रेस ने 3 नेताओं को 6 साल के लिए पार्टी से निष्काषित कर दिया।

शिकायतों के बीच चुनाव आयोग का बड़ा फैसला, होर्डिंग पर मुद्रक और प्रकाशक की पहचान होना जरूरी

नई दिल्ली

चुनाव आयोग लोकसभा चुनाव को लेकर सख्त है। वह लगातार प्रयास कर रहा है कि इस बार का चुनाव शांतिपूर्ण और पारदर्शिता से हो। इसी क्रम में आयोग ने बुधवार को चुनाव प्रचार में जवाबदेही और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए होर्डिंग सहित मुद्रित चुनाव संबंधी सामग्री पर मुद्रक और प्रकाशक की पहचान देने का निर्देश दिया है।

इसलिए लिया फैसला

चुनाव अधिकारी का कहना है कि यह फैसला नगर निगम के अधिकारियों के नियंत्रण वाले होर्डिंग स्थानों पर मुद्रक या प्रकाशक की पहचान के बिना होर्डिंग देखे जाने के बाद लिया गया।

आप ने भी उठाया था मुद्दा

आम आदमी पार्टी ने भी हाल में इस मुद्दे पर चुनाव आयोग से संपर्क किया था। चुनाव आयोग ने जनप्रतिनिधित्व कानून, 1951 की धारा 127ए का हवाला दिया है। बता दें धारा 127ए मुद्रक और प्रकाशक का नाम और पता प्रदर्शित किए बिना चुनावी पर्चे, पोस्टर, तख्तियां या बैनर छापने या प्रकाशित करने पर प्रतिबंध लगाती है। आयोग द्वारा जारी

बयान में कहा गया है कि प्रकाशकों की पहचान होना इसलिए जरूरी है, क्योंकि कोई पैसा खर्च होता है तो उसकी जानकारी मिल सके। वहीं अगर चुनावी अभियान के दौरान आचार संहिता का उल्लंघन पाया जाता है तो कार्रवाई की जा सके। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने हाल ही में इस बिंदु को उजागर करने के लिए एक दोहा भी पढ़ा था कि गलत सूचना पर अंकुश लगाने की आवश्यकता है। उन्होंने गलत सूचना को एक बुलबुला के रूप में वर्णित किया था जो छूने पर फट जाता है। बयान में कहा गया है, 'इस निर्देश के साथ आयोग ने शहरी स्थानीय निकायों के प्रिंटरों, प्रकाशकों, लाइसेंसधारियों या ठेकेदारों पर जवाबदेही तय कर दी है, जो राजनीतिक विज्ञापन लगाने के लिए जगह किराए पर देते हैं।'

कांग्रेस में 17 बार पेपर लीक हुआः दौसा जिले के सभी छोटे-बड़े बांधों को जोड़ेंगे, यहां मोदी की गारंटी से पानी मिलेगाः सीएम

दौसा

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा दौसा जिले के बहरावंडा गांव भाजपा प्रत्याशी कन्हैयालाल मीणा के समर्थन में चुनावी सभा की। सीएम के यहां पहुंचने पर पदाधिकारियों ने उनका 21 किलो की फूलों की माला व तस्वीर भेंट कर स्वागत किया। सीएम ने कहा पूर्व की कांग्रेस सरकार ने जनता को भ्रमित किया, झूठ बोलकर वोट लिए थे। यहां के लोग पानी से बहुत परेशान हैं। इसके समाधान के लिए आपकी बीजेपी सरकार ने ईआरसीपी को लाने का काम किया है। घर-घर जल पहुंचने के साथ 2 लाख 80 हजार हेक्टेयर खेती की सिंचाई भी हो सकेगी। योजना में हमने बड़े बांधों के नाम दिए हैं। लेकिन इलाके के सभी छोटे बांध भी जोड़े जाएंगे। पूर्वी राजस्थान पानी से परेशान रहता था। जल स्तर गिरने से हमारे किसान परेशान हैं। मैं कहना चाहता हूं यह मोदी की गारंटी है कि यहां के लोगों को पानी मिलेगा। कांग्रेस ने ईआरसीपी योजना को अटकाने, लटकाने, भटकाने का काम किया, जल जीवन मिशन का पूरा पैसा नहीं लगाया और भ्रष्टाचार किया। अब कह रहे हैं कि ईडी आ रही है। 70 साल में कांग्रेस ने देश को लूटा व भ्रष्टाचार किया। दौसा जिले में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे से विकास को गति मिलेगी। बीजेपी सरकार ने 450 में गैस सिलेंडर दिया है, पेट्रोल-डीजल के दाम कम किए। देश के लोगों के मन की बात पीएम मोदी अच्छे से जानते हैं। किसानों को सम्मान निधि की राशि बढ़ाई और भी बहुत काम अभी करने बाकी हैं।

पेपर लीक पर कांग्रेस को घेरा

सीएम ने कहा कांग्रेस सरकार में 17 बार पेपर लीक हुए, युवाओं के सपनों को बेचा गया। उनके शासन में ऐसे पाप हुए हैं। पेपर लीक रोकने के लिए स्ट्रङ्क गठित की और 85 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। अभी तो पेपर लीक का सौदा करने वाले बाकी हैं, कोई कितना बड़ा आदमी हो, उनको सजा जरूर मिलेगी। उन्होंने कहा राजस्थान शांति, शक्ति, भक्ति का प्रदेश रहा है, लेकिन पड़ोसी राज्यों में बीजेपी सरकार थी तो बदमाश यहां आ गए और अपराध बढ़े। जिसे रोकने के लिए हमने एंटी गैंगस्टर फोर्स का गठन किया जो ताबड़तोड़ कार्रवाई कर रही है। भाजपा सरकार ने किसानों के हित में गेंहू की एमएसपी के दाम बढ़ाकर 2400 रुपए किया है। बुजुर्गों की सामाजिक पेंशन राशि बढ़ाकर उनका मान सम्मान बढ़ाया। पंचायत राज के जनप्रतिनिधियों की सैलरी बढ़ाई और 45% वायदों को पूरा किया। सीएम ने प्रत्येक लोकसभा सीट 5 लाख वोटों जिताने का आह्वान किया। सभा में कैबिनेट मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड, देवनारायण बोर्ड अध्यक्ष ओमप्रकाश भडाणा, विधायक विक्रम बंशीवाल, बांदीकुई विधायक भागचंद सैनी, महुवा विधायक राजेंद्र मीणा, पूर्व सांसद आरके वर्मा, पूर्व मंत्री रामकिशोर मीणा पूर्व जिलाध्यक्ष घनश्याम बालाहेड़ी, टीकम सिंह गुर्जर, जिलाध्यक्ष प्रभुदयाल शर्मा, नीलम गुर्जर, भावना सैनी, अमर सिंह कसाना सहित भाजपा पदाधिकारी व लोग मौजूद है।

दो किलो अफीम व 1 किलो डोडा पोस्त चूरा सहित बोलोरो सवार दो तस्करों को किया गिरफ्तार,

हिन्दुस्तान की जान

सरदारशहर। पुलिस ने बुधवार को कार्रवाई करते हुए कृषि विज्ञापन केंद्र के पास नाकाबंदी के दौरान रतनगढ़ की ओर से आ रही एक कार से 2 किलो अवैध अफीम व 1 किलो डोडा पोस्त चूरा सहित दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। डीएसपी अनिल कुमार माहेश्वरी ने बताया कि कृषि विज्ञान केंद्र के पास मेगा हाइवे पर नाकाबंदी के दौरान रतनगढ़ की ओर से आ रही बोलोरो की तलाशी ली तो 2 किलो अफीम व 1 किलो डोडा पोस्त चुरा मिला। जिस पर पुलिस ने पंजाब निवासी 52 वर्षीय बेंतसिंह पुत्र बलदेव सिंह और 62 वर्षीय नक्षत्रसिंह पुत्र गुरमेलसिंह को गिरफ्तार किया है और बोलेरो को जप्त किया है। डीएसपी ने बताया कि बोलेरो सहित बरामद माल की अनुमानित कीमत 25 लाख रुपए है। आरोपी तस्कर चित्तौडगढ़ से पंजाब जा रहे थे। पुलिस ने दोनों तस्करों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर दोनों से पूछताछ शुरू कर दी है।

अग्रवाल सेवा मंडल द्वारा प्रथम गणगौर महोत्सव का आयोजन, महिलाओं ने दी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां

हिन्दुस्तान की जान

सरदारशहर। अग्रवाल सेवा मंडल द्वारा अग्रवाल समाज का प्रथम भव्य गणगौर महोत्सव का आयोजन बुधवार को अग्रसेन भवन में किया गया। इस अवसर पर महिला मंडल अध्यक्षा मीनाक्षी अग्रवाल और कोषाध्यक्ष शालिनी मित्तल ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारम्भ अग्रवाल सेवा मंडल अध्यक्ष रवि बांयवाला और वरिष्ठ सदस्य अनिल गोयल ने दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम में गणगौर माता की पूजा अर्चना की गई। नव विवाहित महिलाओं ने पारंपरिक गीतों पर सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। गणगौर माता की पूजा अर्चना कर, बनोरा निकाला गया और विभिन्न खेल कूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस मौके पर अर्चित जैसनसरिया, संजय कंदोई, राजकुमार कंदोई, रवि जैसनसरिया, हरिशंकर भिवानिया, विपिन गोयल, विश्वनाथ रातुसरिया, मंजू जैसनसारिया, स्वीटी सर्राफ, अंकित उडसरिया, इंदु जैसनसरिया, श्रेया लढिया, गणपति अग्रवाल, ग्रिशु अग्रवाल, अंजना अग्रवाल, कनिष्का जैसनसरिया आदि सहित बड़ी संख्या में समाज की मातृशक्ति उपस्थित रही।

बोड़ीया कुए पर गणगौर शाही सवारी के स्वागत को लेकर बैठक आयोजित

हिन्दुस्तान की जान

सरदारशहर। गणगौर शाही सवारी के स्वागत की तैयारियों को लेकर बोड़ीया कुआं समिति की ओर से व्यापार मंडल अध्यक्ष शिवभगवान कम्मा की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठकर में गणगौर के स्वागत, पूजा अर्चना,पिने के पानी, ठंडे शर्बत,बैठने आदि की व्यवस्थाओं की रुपरेखा तैयार की गई। सभी कार्यकर्ताओं को अलग-अलग जिम्मेदारी सौंपी गई। इस अवसर पर शिवभगवान कम्मा,मुरलीधर कम्मा,बाबुलाल कम्मा, हरिप्रसाद ढल्ला, प्रकाश सुरेखा,संजय पारीक, अशोक पारीक, प्रभाकर चतुर्वेदी, रामवतार सोनी,जोरमल झींगा, संतोष नाई, गोपाल ढल्ला, किशोर स्वामी, प्रकाश सैनी,पवन सैनी, रामजी पेड़ीवाल सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि बोड़ीया कुए पर हर वर्ष रावतमल सैनी परिवार द्वारा गणगौर सवारी का भव्य स्वागत किया जाता है।

गुर्जर गौड महासभा ने महर्षि गौतम की जयंती मनाई

हिन्दुस्तान की जान

तारानगर। अखिल भारतवर्षीय गुर्जर गौड ब्राहमण महासभा द्वारा न्यायशास्त्र के रचियता महर्षि गौतम की जयंती धूमधाम से मनाई। इस अवसर पर महर्षि गौतम के चित्र पर पुष्प अर्पित व दीप प्रज्जवलित करके कार्यक्रम का विधिवत शुभारम्भ किया गया। तत्पश्चात वक्ताओ ने महर्षि गौतम की जीवनी पर प्रकाश डाला व उनके आदर्शो पर चलने व महर्षि गौतम के जीवन से प्रेरणा लेने का आह्वान किया तथा सामाजिक बुराइयों को त्यागने व संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर युवक संघ के प्रदेश संगठन मंत्री अरुण शर्मा, भारत भूषण पिरगावत, विनोद उपाध्याय, गोविन्द प्रसाद गील, बजरंग जोशी, परसाराम पिरगावत, तुलसीराम जोशी, पवन जोशी, विकाश उपाध्याय, नवरतन लमाणी, अरविन्द उपाध्याय, धर्मचंद गील, महेन्द्र वत्स, विमल जोशी, राजेन्द्र उपाध्याय, तरुण उपाध्याय, नवीन उपाध्याय, वैभव गिल, विजय जोशी, यश शर्मा, सुनील गिल, जयंत, नितेश सहित गुर्जरगौड़ समाज के लोग उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय में शुरू होने वाले नये सत्र की जानकारी की साझा

हिन्दुस्तान की जान

चूरू। लक्ष्मणगढ़ स्थित मोदी विश्वविद्यालय की ओर से प्रेस कांफ्रेंस संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संवाद कार्यक्रम में विश्वविद्यालय में शुरू होने वाले नये सत्र से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। गौरतलब है कि विश्वविद्यालय का 265 एकड़ का विशाल कैम्पस शिक्षा द्वारा नारी सशक्तिकरण के अभियान को सतत् आगे बढ़ा रही है। राजस्थान सहित देशभर के छात्राओं के लिए मोदी विश्वविद्यालय ने इस साल भी कुछ खास छात्रवृति की घोषणा की। इसके साथ ही शिक्षा के नये परिदृश्य और मोदी विश्वविद्यालय के वर्तमान परिपेक्ष्य को लेकर भी मिडिया से रूबरू हुए। इस प्रेस कांफ्रेंस में मोदी विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ लिबरल आर्ट्स के डीन प्रो. जितेन्द्र बिनवाल, स्कूल ऑफ फार्मेसी के डीन प्रो. दीनानाथ झाड़े, स्कूल ऑफ बिजनय के प्रो. भंवर सिंह राठौड़ व पीआरओ राजीव सिंह आदि मौजूद रहे। डीन प्रो. जितेन्द्र बिनवाल ने बताया कि मोदी विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ लिबरल आर्टस एंड साइसेंस, स्कूल ऑफ इंजिनयरिंग, स्कूल ऑफ लॉ, स्कूल ऑफ डिजाइन एवं स्कूल ऑफ बिजनेस में विभिन्न स्नातक एवं स्नातकोत्तर के साथ पीएचडी के भी कोर्स कराये जाते हैं। विश्वविद्यालय में कई स्किल बेस्ड कोर्सेस मसलन डेटा साइंस, मशीन लर्निंग, जर्नलिज्म एंड मास कम्यूनिकेशन, फॉरेनसिक साइंस, फिजयोथेरेपी, फूड एंड न्यूट्रीशयन, बॉयोमेडिकल एवं न्यूक्लियर साइंस एंड टेक्नोलॉजी जैसे सरीखे कोर्स जो कि पूर्णतः कौशल आधारित है। छात्राओं को बेहतर भविष्य की ओर ले जाता हैं। छात्राओं को रोजगारोन्मुख बनाने के लिए विश्वविद्यालय ने वर्तमान सत्र से डी फार्मा कोर्स की भी शुरूआत की। रिसंच एवं इनोवेशन के क्षेत्र में भी विश्वविद्यालय ने कई मुकाम हासिल किया है। जिसमें क्यूरी के तहत रिर्सच एवं इनोवेशन के लिए विश्वविद्यालय को 2.25 करोड़ रूपये का अनुदान प्राप्त हुआ है। जिसके तहत समाज के लिए महिलाओं ने रासायन विज्ञान, फोरेंसिक साइंस, बॉयो साइंस, माइक्रोबायोलॉजी, फुड एवं न्यूट्रोशियन, फिजयोथेरेपी, साइकोलॉजी, बायोमेडिकल, बॉयो इंजिनयरिंग, न्यूक्लियर साइंस एंड इंजिनयरिंग जैसे क्षेत्रों में अत्याधुनिक अनुसंधान को बढावा देना है। जबकि साइंस एंड इंजिनयरिंग रिर्सच बोर्ड अर्थात् सब स्योर से भौतिकी विज्ञान में अनुसंधान के लिए 12 लाख रूपये का अनुदान प्राप्त हुआ है। सभी वर्गों को शिक्षा का समान अवसर मुहैया कराने के उददेश्य से विश्वविद्यालय ने ऑनलाईन माध्यम की भी शुरूआत की है। जिसके तहत बीए, बीकॉम, एम कॉम के साथ ही एमबीए और एमसीए जैसे विभिन्न कॉसेस करवाए जाएगें। इस माध्यम में छात्राओं के साथ छात्र भी दाखिला ले सकते हैं। आरएएस, पीसीएस एवं आइएएस जैसे परिक्षाओं के तैयारी के लिए विश्वविद्यालय कैंपस में ही छात्राओं को विशेष सुविधा प्रदान कर रही है और इसके लिए प्रतिष्ठित कोचिंग संस्थान समकल्प, नई दिल्ली से अनुबंध किया गया है ताकि छात्राओं को स्नातकोत्तर के दौरान ही तैयारी का बेहतर अवसर प्राप्त हो सके। मोदी स्कूल और विश्वविद्यालय छात्राओं की शिक्षा को अनवरत जारी रखना चाहती है और इसी के मददेनजर स्कूल एवं विश्वविद्यालय कई स्तर पर छात्राओं के लिए छात्रवृति लेकर आयी है. ताकि आर्थिक स्थिती किसी के भी शिक्षा में रूकावट न बन सके। छात्रवृति स्नातकोत्तर और स्नातकोत्तर दोनों के लिए लागू है। विश्वविद्यालय ने मेधावी छात्राओं के लिए ट्यूशन फी में 50 प्रतिशत तक की छात्रवति का प्रावधान रखा है। इसके साथ ही मोदी विश्वविद्यालय की विशेष छात्रवृति योजना के तहत, पुलिस, सेना और अर्द्धसैनिक बलों में कार्यरत या सेवानिर्वत जवानों के बच्चों को पूरी पढ़ाई के दौरान ट्यूशन फी में 35 प्रतिशत की छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। मोदी विश्वविद्यालय के कैरियर डेवलपमेंट सेल द्वारा छात्राओं को इंर्टनशिप एवं प्लेसमेंट का भी अवसर प्रदान करती है। विभिन्न संकाय की छात्राओं को उनकी दक्षता के अनुसार देश विदेश की नामी गिरामी कम्पनियों में कार्य करने का अवसर मिलता है। छात्राओं को बेहतर अवसर प्रदान करने के लिए विश्वविद्यालय ने कई इंटरनेशनल कॉलेबोरेशन भी किया है। मोदी विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ ऐटिकेट एंड फिनीशिंग में छात्राओं को कई तरह के स्किलस सिखाये जाते है जो इन्हें हर माहौल के अनुकूल बनाता है। इसके साथ ही विशेष इंगलिश लैंग्वेज ट्रेनिंग कैम्प का भी आयोजन करती है। ताकि बच्चे इंटरव्यू में बेहतर प्रर्दशन कर सकें। गौरतलब है कि इंर्टनशिप एवं प्लेसमेंट के क्षेत्र में मोदी विश्वविद्यालय की छात्राएं हर वर्ष एक नये मुकाम को छू रही है। 50 प्रतिशत छात्राओं के पास एक से ज्यादा ऑफर जबकि एवरेज प्लेसमेंट ऑफर का प्रतिशत 95 से ज्यादा है। 70 प्रतिशत से ज्यादा छात्राओं को दुनिया के बेहतरीन कंपनियों की तरफ से ऑफर प्राप्त हुआ है। अधिकतम सैलरी जहां 32 लाख 60 पर रही वहीं एवरेज सैलरी 11 लाख सलाना रही। सिर्फ जॉब ही नहीं बल्कि इंर्टनशिप में भी छात्राओं को 1 लाख 40 हजार तक का स्टाइपेन्ड प्राप्त हुआ है। मोदी विश्वविद्यालय में 350 से उपर कंपनियां हर साल कैम्पस सेलेक्शन के लिए आती है जिसमें से 25 से ज्यादा कंपनियां फॉब्स एवं फारच्यून 500 कपनियां है। छात्राओं के सर्वांगिण विकास में शिक्षा के साथ साथ अन्य पाठ्येत्तर गतिविधियों की भी अहम भूमिका रहती है और इसके विकास के लिए विश्वविद्यालय स्पॉटस, घुडसवारी, एनसीसी, एनएसएस जैसे माध्यम छात्राओं को मुहैया कराती है। मोदी विश्वविद्यालय शिक्षा के साथ संस्कार को जरूरत को समझते हुए छात्राओं को योगा, मेडिटेशन जैसे कार्यक्रमों से भी जोड़ कर रखती है ताकि छात्राएं हर परिस्थिती का सामना धैर्य एवं मजबूत मानसिकता के साथ कर सके।छात्राओं को वर्तमान टेक्नोलॉजी से रूबरू रखने के लिए विश्वविद्यालय में आधुनिक सुख सुविधाओं से युक्त इनक्यूबेशन सेंटर की भी स्थापना की गयी जिसमें छात्राएं उद्यमिता एवं स्टार्ट अप के सभी गुर को सिखती और आजमाती है। इसके साथ ही माइक्रोसॉफ्ट, सिस्को, आइबीएम, इन्फोसिस जैसे साफटवेयर कम्पनियों ने भी विश्वविद्यालय का कोलेबोरेशन है, ये कम्पनियों छात्राओं को वर्तमान टेक्नॉलाजी से अवगत कराते रहती है ताकि छात्राएं भविष्य की तकनिक के अनुरूप खुद को तैयार कर सके। गौरतलब है को मोदी विश्वविद्यालय अलग अलग राज्यों और शहरों में बड़े पैमाने पर छात्राओं से रू ब रू होकर उन्हें उचित कैरियर परामर्श भी मुहैया करा रही है। मोदी विश्वविद्यालय का ये कवायद निश्चित रूप से छात्राओं को भविष्य की सही दिशा प्रदान करेगा।

बिखरे लोकरंग, विमुक्त घूमंतू जनजातियों से की मतदान की अपील

हिन्दुस्तान की जान

चूरू, जिला निर्वाचन अधिकारी पुष्पा सत्यानी के निर्देशन में बुधवार को लोकसभा आम चुनाव-2024 के मद्देनजर जिलेभर में स्वीप गतिविधियों अंतर्गत सतरंगी सप्ताह के शुभारंभ अवसर पर पहले दिन लोक संस्कृति आधारित कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों में निर्धारित टारगेट ग्रुप टीजी एवं विमुक्त व घूमंतू जनजातियों के मतदाताओं को बैंगनी रंग की थीम आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से मतदान का संदेश दिया। सुजानगढ़ के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय ठरडा, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बाघसरा आथुणा, खूबचंद बठिया राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बीदासर, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पारेवड़ा सहित विधानसभा मुख्यालय पर 'हम भी नाचेंगे गाएंगे, वोट डालकर आएंगे' के स्लोगन के साथ लोकनृत्य एवं लोकगीतों के माध्यम से विशेष रूप से पिछड़ी जाति, जनजाति के लोगो को मतदान हेतु जागरूक किया गया। इस दौरान एसीबीईओ मंजू पंवार, सह प्रभारी स्वीप कमलकांत बेदी, केशरा राम, भंवरलाल, सरोज, रामनिवास, सुल्तान सिंह, सुरेंद्र कुमार, राजेश कुमार, भीखाराम, कमला देवी सहित घूमंतू जनजाति के मतदाता व आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, चिकित्सा विभाग और राजीविका सदस्य, बीएलओ व विद्यार्थी आदि मौजूद रहे। इसी क्रम में जिले के सरदारशहर के अड़सीसर ग्राम पंचायत में लोक नृत्य द्वारा मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर स्वीप प्रभारी बीडीओ दिनेश चंद्र मिश्रा, सीडीपीओ मुकेश तिवारी, ग्राम विकास अधिकारी विक्रम, स्वीप टीम सदस्य जितेंद्र शर्मा, शंकर लाल, रहीस सहित महिलाएं, पुरुष व नव मतदाता उपथित रहे।

शोभायात्रा में मिलेगा अयोध्या श्रीराम मंदिर का 'प्रसाद, साफा वितरण केन्द्र का उद्घाटन

हिन्दुस्तान की जान

सरदारशहर। श्री रामनवमी के अवसर पर शहर में आयोजित भव्य रामनवमी शोभा यात्रा के लिए समिति की ओर से बुधवार को आथुणा बाजार में कार्यालय का उद्घाटन किया गया। सैकड़ों की संख्या में उपस्थित कार्यकर्ताओं के साथ नववर्ष की शुभकामनाओं के सहित पूजा अर्चना की गई। समाजसेवी ओमप्रकाश जोशी, सत्यनारायण जांगिड़, छगनलाल सेवदा, राधेश्याम शर्मा, रामकृष्ण पारीक, सुखाराम पारीक व समिति के अध्यक्ष सुबोध सेठिया ने फीता काटकर एवं भगवान श्री राम के चित्र के समक्ष पूजा अर्चना कर साफा वितरण केंद्र एवं कार्यालय का शुभारंभ किया। इस अवसर पर शोभा यात्रा संयोजक मदनलाल ओझा ने बताया कि इस बार श्री रामनवमी शोभा यात्रा इस बात में अनूठी है, कि पांच सौ वर्षों की प्रतीक्षा के पश्चात प्रभु श्री राम के अयोध्या में भव्य राम मंदिर में विराजने के बाद यह प्रथम रामनवमी शोभायात्रा है,जिसका सभी रामभक्तों में अपार उत्साह है। नगर की सभी बस्तियों व ग्रामीण क्षेत्र में कार्यकर्ता प्रचार प्रसार में जुटे हुए हैं। समिति के अध्यक्ष सुबोध सेठिया ने बताया कि इस बार की रामनवमी हम सभी के लिए इस विषय में गौरव और हर्षित करने वाली है, कि प्रभु श्री रामलला टेन्ट से बाहर निकल कर निज भव्य मन्दिर में विराजित हो गए है। इस बार श्रीराम मंदिर अयोध्या का प्रसाद रामनवमी के दिन शोभायात्रा में सभी श्रद्धालुओं को वितरित किया जाएगा। समिति का सभी रामभक्तों से आह्वान है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में सपरिवार शोभायात्रा में सम्मिलित होवें। अगर आप शोभायात्रा में साथ चलने में असमर्थ है, तो शोभायात्रा के मार्ग में किसी स्थान पर पहुंच कर शोभायात्रा के दर्शन अवश्य करें। कार्यक्रम के दौरान समिति के उपाध्यक्ष डा.बनवारीलाल शर्मा, सुभाष चिंडालिया, शिवरतन सोनी, राकेश इंदौरिया, सुभाष सोनगरा, नेपाल प्रवासी,ओमप्रकाश जोशी,पवन सैनी, सुरेश वर्मा, दिनेश सोनगरा, अशोक कसेरा, मुकेश कुमार सैनी, डा.अमित बेद, मनीष पटावरी, मुरलीधर सैनी, पवन पोद्दार, गौरीशंकर कंदोई, मुखराम नाथोलिया, अनिल गोयल, कन्हैयालाल झाकल, विनिता शर्मा, जय श्री वर्मा, बबीता सोनी, कमल नाई, रोहिताश सोनी, कानसिंह, राम सिंह शेखावत, मनोज खेड़ीवाल, दुनीचंद जोशी, राजेंद्र अंचलिया, शिवदयाल पारीक, शंकरलाल धानका, ईश्वर स्वामी, प्रकाश प्रजापत, बृजमोहन सोनी, लीलाधर दानोदिया, निरंजन धानका, कांता सोनगरा, प्रीति शर्मा, स्नेहा खींची, गुरु धानका सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

वोटर इन्फॉर्मेशन स्लिप का हो समयबद्ध ढंग से वितरण : सत्यानी

हिन्दुस्तान की जान

चूरू, लोकसभा आम चुनाव-2024 के मद्देनजर जिला निर्वाचन अधिकारी पुष्पा सत्यानी ने बुधवार को जिले के सादुलपुर विधानसभा क्षेत्र के राजकीय महाविद्यालय राजगढ़ में बनाए गए स्ट्रॉंग रूम व ईवीएम कमिशनिंग के कार्य का अवलोकन किया। साथ ही सादुलपुर के मोहता कॉलेज, मोहल्ला दमामीयान, ओसवाल पंचायत भवन व गांधी बाल मंदिर आदि मतदान केन्द्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाएं देखी व आवश्यक निर्देश दिए। राजकीय महाविद्यालय राजगढ़ में ईवीएम रवानगी व संग्रहण के लिए बनाए गए स्ट्रॉंग रूम का निरीक्षण कर उन्होंने कहा कि निर्वाचन की शुचिता व पारदर्शिता को संरक्षित रखने के लिए पर्याप्त सर्विलांस सिस्टम का उपयोग किया जाए तथा मतदान दलों की रवानगी के दौरान मतदान दलों की सुविधा के लिए उन्हें एक ही जगह मतदान सामग्री उपलब्ध करवाई जाए। इसी के साथ उन्होंने सादुलपुर के मतदान केन्द्रों का अवलोकन कर व्यवस्थाएं देखी। उन्होंने कहा कि वोटर इन्फॉर्मेशन स्लिप का समयबद्ध ढंग से वितरण सुनिश्चित किया जाए तथा मतदान केन्द्रों पर मतदान दलों व मतदाताओं की सुविधा के लिए आवश्यक मूलभूत सुविधाएं समुचित मुहैया करवाई जाएं। मतदान केन्द्रों पर शौचालय, पेयजल, रैम्प, मतदाताओं की सुविधा के लिए मतदान केन्द्र संख्या, बीएलओ का नाम व संपर्क सूत्र, महिला व पुरुष मतदाताओं की संख्या आदि सूचना चस्पा की जाए। इसी के साथ मतदान दिवस को मतदाताओं के लिए छाया, दिव्यांग मतदाताओं के लिए स्वयंसेवक आदि की समुचित व्यवस्था की जाए। राजगढ़ एसडीएम सुशील कुमार सैनी ने व्यवस्थाओं की जानकारी देते हुए समुचित प्रबंध करवाने के लिए आश्वस्त किया। इस दौरान राजगढ़ तहसीलदार इमरान खान, सिद्धमुख तहसीलदार दशरथ मीणा, नायब तहसीलदार जयप्रकाश, बीडीओ नरेन्द्र सिंह, हनुमानप्रसाद, अश्विनी सहित अन्य उपस्थित रहे।

नगर पालिका द्वारा सतरंगी सप्ताह का आयोजन

हिन्दुस्तान की जान

तारानगर। लोकसभा आम चुनाव 2024 के अंतर्गत स्वीप कार्यक्रम पालिका द्वारा जिला निर्वाचन अधिकारी चूरू एवं सहायक निर्वाचन अधिकारी (एसडीएम) के निर्देशानुसार क्षेत्र के गाड़िया लोहार कॉलोनी में बुधवार को कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें गाड़िया लोहार बस्ती के मतदाता एवं वार्ड के मतदाताओं द्वारा नारे लगाकर रैली का आयोजन किया गया जिसमें हम भी नाचेंगे गाएंगे वोट डालकर आएंगे के साथ-साथ सात्युँ सर्किल व दिल्ली बीकानेर हाईवे पर आयोजन किया गया। कार्यक्रम के प्रभारी छगनलाल, स्वीप प्रभारी पालिका ईओ अजय प्रतापसिंह, सह प्रभारी नितेश उपाध्याय एवम पालिका कर्मचारियों के साथ-साथ वन विभाग कार्मिक राजवीर सिंह, अनीता मीणा, दीपचंद, महेंद्र, सावित्री एवं गाड़िया लोहार कॉलोनी बस्ती के मतदाता घनश्याम, ओमप्रकाश, दारासिंह, महावीर, सुशीला, सुमन, रामप्यारी, मोहिनी, कंचन, सरोज, शारदा, सावित्री अन्य मतदाता उपस्थित रहे मतदाताओं द्वारा शत प्रतिशत मतदान किए जाने का संकल्प लिया गया। इस प्रकार स्वीप कार्यक्रम का आयोजन प्रथम दिवस पर गाड़िया लोहार बस्ती में किया गया। इसी प्रकार निरंतर गुरुवार को गढ़ परिसर से सार्वजनिक निर्माण विभाग गेस्ट हाउस तक सतरंगी सप्ताह का द्वितीय कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

विमुक्त व घूमंतू जनजाति के मतदाताओं को स्वीप गतिविधियों अंतर्गत सतरंगी सप्ताह के शुभारंभ अवसर पर लोक गीत व लोक नृत्य से दिया मतदान का संदेश

वोटियो जागो रे, सगळा वोट देण चाल्या

सीईओ मोहनलाल खटनावलिया ने की मतदान की अपील

जिला मुख्यालय स्थित आपणी पाठशाला परिसर में टीजी, पीवीजीटी,

हिन्दुस्तान की जान

चूरू, जिला निर्वाचन अधिकारी पुष्पा सत्यानी के निर्देशानुसार लोकसभा आम चुनाव-2024 के दौरान स्वीप अंतर्गत बुधवार को सतरंगी सप्ताह कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर जिला मुख्यालय स्थित आपणी पाठशाला परिसर में बैंगनी रंग की थीम व 'हम भी नाचेंगे गाएंगे, वोट डालकर आएंगे' के स्लोगन के साथ विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह (पीवीजीटी), विमुक्त व घूमंतू जनजाति के लिए लोक गीत व लोक नृत्य के माध्यम से मतदान की अपील की। कार्यक्रम के दौरान स्वीप नोडल अधिकारी सीईओ मोहनलाल खटनावलिया ने कहा कि देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था को अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए आवश्यक है कि सभी मतदाता लोकतंत्र के महापर्व में आवश्यक रूप से मतदान कर अपनी भागीदारी निभाएं। प्रत्येक मतदाता को अपने वोट की ताकत पहचानते हुए सभी निर्वाचनों में अपने मताधिकार का प्रयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि एक-एक वोट से ही निर्वाचन प्रक्रिया सुदृढ़ होती है। लोकतंत्र में सभी मतदाताओं को समान रूप से मताधिकार का प्रयोग करने की आजादी है। इसलिए इस लोकतांत्रिक निर्वाचन व्यवस्था की गरिमा को बढ़ाने में समाज के प्रत्येक वर्ग को आगे आना चाहिए तथा शिक्षा व जागरूकता से वंचित सभी जनजातीय समूहों को भी मतदान के प्रति जागरूक करते हुए उनको मताधिकार का प्रयोग करने के लिए प्रेरित करना चाहिए। खटनावलिया ने मतदाताओं को मतदान के लिए ईपिक के अतिरिक्त प्रस्तुत किए जा सकने वाले 12 वैकल्पिक फोटोयुक्त पहचान दस्तावेज व मतदान का महत्व बताते हुए लोकसभा आम चुनाव-2024 के दौरान मतदान दिवस 19 अप्रैल को आवश्यक रूप से मतदान करने की शपथ दिलाई। इस अवसर पर लोक कलाकार सुखबीर एवं कमला भोपा ने लोकगीतों की प्रस्तुति दी तथा आसलखेड़ी की ढफ मंडली ने लोकगीतों के साथ लोकनृत्य कर मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित किया। वहीं नन्हें चैतन्य दुहानिया ने "वोटियो जागो रे, वोट देण चाल्या" गीत के माध्यम से मतदान की अपील की और अपनी प्रस्तुति से मंत्रमुग्ध कर दिया। इस दौरान सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के उपनिदेशक अरविंद ओला, एडीपीआर कुमार अजय, एलडीएम अमर सिंह, प्राचार्य डॉ सीएल वर्मा, प्राचार्य श्रवण सैनी, जिला खेल अधिकारी प्रकाश राम गोदारा, रोजगार सहायक निदेशक वर्षा जानू, उद्योग विभाग की सहायक आयुक्त उजाला भाम्भू, नर्सिंग कॉलेज अधीक्षक बजरंग हर्षवाल, पीएचईडी एसई रमेश राठी, चूरू विकास अधिकारी प्रवीण सोनी, डॉ सरोज हारित, रमेश सिसोदिया, अरूण दुहानिया, सहायक विकास अधिकारी रणजीत, ट्रांसजेण्डर चुटकी बाई, पूजा बाई व चांदनी बाई, स्कोप एनजीओ से मनीष व राजेश, संदीप, अध्यापक राजेश शर्मा, रघुवीर सिंह प्रधानाचार्य, शिव कुमार शर्मा, पवन शर्मा, अनिल लांबा, प्रमेंद्र सिहाग, मदन लाल, देवराज साहिल सहित अन्य उपस्थित रहे। संचालन शिव कुमार शर्मा ने किया।

परिवारवादी कांग्रेस-डीएमके तमिलनाडु का कल्याण नहीं, केवल लूट करेंगी

राज्य में आज लूट का खुला खेल चल रहा

पीएम मोदी ने तमिलनाडु की सरकार पर जमकर निशाना साधा। साथ ही कांगरेस पर भी बड़ा हमला किया। इन पर देश को गुमराह करने के साथी राष्ट्रनीति पर नहीं चलने पर भी खरी-कोटी सुनाई।डीएमके की नीति 'फूट डालो और राज करो' की है। ये दल भाषा क्षेत्र जाति और धर्म के नाम पर फूट डालकर राज करने का काम कर रही है। इंडि गठबंधन के लोग केवल माल करना चाहते हैं, देश सेवा और लोक सेवा नहीं करना चाहते।

दक्षिणी राज्य तमिलनाडु के वेल्लोर और कोयंबटूर में गरजे पीएम मोदी, पुणे में भी किया विपक्षी गठबंधन पर तीखा प्रहार

एजेंसी ▶▶। नई दिल्ली

लोकसभा चुनाव के प्रचार के लिए पीएम नरेंद्र मोदी आज दक्षिणी राज्य तमिलनाडु पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि वेल्लोर में ब्रिटिश शासन के दौरान हुई क्रांति जैसी एक और क्रांति देखने को मिलेगी। एनडीए ने 10 सालों में अच्छा काम किया हैऔर विकसित भारत की नींव रखी। पीएम मोदी ने कहा कि 2014 से पहले भारत की अर्थव्यवस्था कमजोर थी।उस दौरान भारत को घोटालों के देश के रूप में देखा जाता था। उन्होंने कहा कि परिवारवाद वाली पार्टी कांग्रेस और डीएमके कभी भी तमिलनाडु की आकांक्षाओं को पूरा नहीं कर सकती। पीएम मोदी ने कहा कि सेंगोल को जब देश की संसद में स्थापित किया गया था तो डीएमके ने इसका विरोध किया था।राज्य में आज लूट का खुला खेल चल रहा है। डीएमके की नीति 'फूट डालो और राज करो' की है। ये दल भाषा क्षेत्र जाति और धर्म के नाम पर फूट डालकर राज करने का काम कर रही है।

■ सेंगोल का भी डीएमके ने विरोध किया था

तमिलनाडु को भारत को अंतरिक्ष ले जाने का दिया श्रेय

पीएमने कहा तमिलनाडु ने भारत को अंतरिक्ष के क्षेत्र में आगे ले जाने में महान योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु के कठिन परिश्रम ने विनिर्माण के क्षेत्र में भारत को अग्रणी बनाने में अहम भूमिका निभाई।

दोनों ने सीडिंग में अपनी भूमिका छिपाई

पीएम ने कहा कि डीएमके की राजनीति बहुत ही खतरनाक है, मैं इसका पर्दाफाश करता रहूंगा। मोदी ने कहा कि सरकार ने कश्मीर और सौराष्ट्र तमिल संगम का आयोजन किया था। कांग्रेस पर हमलावर पीएम ने कहा कि कांग्रेस शासन के दौरान कच्चातिवू को श्रीलंका को सौंप दिया गया था। श्री लंकाई नौसेना ने कच्चातिवू के पास से हजारों तमिलनाडु के मछुआरों को गिरफ्तार कर लिया था।डीएमके और कांग्रेस ने सीडिंग में अपनी भूमिका छिपाई। गठबंधन मिलकर महिलाओं का अपमान करते हैं। उन्होंने कहा कि जयललिता के साथ कैसा व्यवहार किया?

कोयंबटूर में इंडि गठबंधन पर बोला हमला

यूपीए शासन के घोटालों को गिनाया

पीएम मोदी भ्रष्टाचार का मुद्दा उठाते हुए राज्य की डीएमके शासित सरकार को आड़े हाथों लिया और कहा कि तमिलनाडु में आज लूट का खुला खेल चल रहा है। डीएमके की नीति 'फूट डालो और राज करो' की है। ये दल, भाषा, क्षेत्र, जाति और धर्म के नाम पर फूट डालकर राज करने का काम कर रही है। वहीं कोयंबटूर में रैली के दौरान पीएम मोदी ने कहा कि जब देश में केंद्र की सरकार थी, तब राज्यों के साथ भेदभाव होता था। हम कहते हैं कि विकसित भारत के लिए तमिलनाडु जरूरी है लेकिन डीएमके देश को बांटने की नीति पर चलती है।

शाह ने सीएम ममता पर साधा निशाना

वे सीएए पर लोगों को कर रहीं गुमराह, घुसपैठ करा रहीं

बालुरघाट। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सीएए को लेकर पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बेनर्जी पर जमकर निशाना साधा। शाह ने ममता पर लोगों को गुमराह करने का आरोप लगाया। शाह ने पश्चिम बंगाल के बालुरघाट में एक रैली में कहा कि हमने सीएए कानून पारित किया है। ममता दीदी बंगाल की जनता को गुमराह कर रही हैं। वह कह रही हैं कि अगर सीएए के लिए आवेदन करोगे तो नागरिकता चली जाएगी। मैं शरणार्थियों से सीएए के तहत नागरिकता के लिए आवेदन करने का अनुरोध करता हूं, मैं आश्वासन देता हूं कि कोई समस्या नहीं होगी।

भ्रष्टाचारी को जेल जाना होगा

शाह ने कहा कि भ्रष्टाचारियों को हर हाल में जेल जाना होगा। इन लोगों ने देश का पैसा लूटा है। गरीबों को लूटा है। इसलिए इन्हें जनता माफ नहीं करेगी। पाई-पाई रुपये चुकाने होंगे। किसी भी हाल में मोदी सरकार नहीं छोड़ेगी।

राजद और कांग्रेस पर साधा निशाना

शाह ने मोदी सरकार के विकास योजनाओं को गिनाया। साथ ही कहा कि औरंगाबाद और गया से मोदी सरकार नक्सल के खिलाफ अभियान दिलाया। रफीगंज, नबीनगर और अनुग्रह नारायण रेलवे स्टेशन बन रहे हैं, यह भी भाजपा की सरकार ने किया। कांग्रेस तुष्टिकरण करने वाली पार्टी है।

सपा का घोषणा पत्र

मनरेगा मजदूरी बढ़ाकर 450 रु. करने का वादा

समाजवादी पार्टी ने घोषणा पत्र जारी कर दिया है। अध्यक्ष अखिलेश

यादव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जनता का मांगपत्र हमारा अधिकार है। मुखिया अखिलेश यादव ने कहा कि हमने अपने विजन डॉक्यूमेंट को 'जनता का मांग पत्र - हमारा अधिकार' नाम दिया है। इसमें संविधान की रक्षा का अधिकार, रक्षा का अधिकार लोकतंत्र, मीडिया की स्वतंत्रता का अधिकार आदि हैं।

भोजपुरी स्टार पवन काराकाट से निर्दलीय चुनाव लड़ेंगे

भोजपुरी एक्टर पवन सिंह ने लोकसभा चुनाव लड़ने का ऐलान

किया है। सोशल मीडिया मंच एक्स पर भोजपुरी एक्टर ने खुद इसकी जानकारी दी है। सिंह ने एक्स पर पोस्ट शेयर कर लिखा है कि माता गुरुतरा भूमेरू अर्थात माता इस भूमि से कहीं अधिक भारी होती हैं और मैंने अपनी मां से वादा किया था कि मैं इस बार चुनाव लड़ूंगा ।

संभल में बोले गृहमंत्री राजनाथ

जल्द ही पीओके के लोग भी कहेंगे हमें भी कश्मीर का हिस्सा बना दो

संभल। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने चंदौसी के देवरखेड़ा स्थित आशीष गार्डन में चुनावी जनसभा में कहा कि आज देश सुरक्षित हाथों में है। आप निश्चिंत रहिए देश की सीमाएं सुरक्षित हैं। आज भारत, विश्व के सशक्त राष्ट्रों में शुमार है।जम्मू कश्मीर में आर्टिकल 370 को खत्म करने का काम भाजपा ने किया तो आज वहां न अलगाव वाद है न पत्थरबाजी।

बुलंदशहर में भी दिया संबोधन

सपा को बताया समाप्त पार्टी

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भाजपा लोकसभा प्रत्याशी डॉ. भोला सिंह के समर्थन में जनसभा को संबोधित करने के लिए जहांगीराबाद पहुंचे। सिंह ने कहा कि भाजपा सरकार ने घोषणा पत्र में किए गए सारे वादे पूरे किए हैं। हमारी कथनी और करनी में कोई अंतर नहीं है। 2014 से पूर्व हमारी सरकार बनने से पहले भारत को गरीब देश कहा जाता था, लेकिन हमारी सरकार बनने के बाद हमने 25 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से बाहर निकाला। हमारी सरकार बनने के बाद भारत का डंका पूरे विश्व में बोल रहा है। हमने चुटकी बजाकर जम्मू कश्मीर से धारा 370 हटा दी।

अरुणाचल में भाजपा का घोषणा-पत्र जारी

पहले उग्रवाद था, अब विकास की बहार बढ़ी

ईटानगर। अरुणाचल प्रदेश के लिए भाजपा ने घोषणा-पत्र जारी किया है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि जो क्षेत्र पूरी तरह से उग्रवाद और हत्याओं और बंद संस्कृति के लिए जाना जाता था, वो अब विकास की राह पर चल पड़ा है। मोदी सरकार के पिछले 10 वर्षों के कार्यकाल में किए गए कार्यों से तेजी से प्रगति हुई है। नड्डा ने कहा कि दशकों तक उपेक्षित रहे पूर्वोत्तर में 2014 के बाद से ही बड़ा बदलाव आया। यह क्षेत्र अब प्रगति, विकास और समृद्धि के लिए पहचान बनाने लगा है।

मोदी सरकार में विकास की रफ्तार

उन्होंने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार बिजली, पर्यटन, इंटरनेट, कनेक्टिविटी, कृषि और खेल समेत कई क्षेत्रों में पूर्वोत्तर राज्यों के विकास के लिए काम कर रही है। पूर्वोत्तर राज्यों के भाजपा के घोषणा-पत्र में मजबूत बुनियादी ढांचे, महिला सशक्तिकरण, रोजगार और जवाबदेह शासन के निर्माण का वादा किया गया है।

विकास के लिए भाजपा प्रतिबद्ध

नड्डा ने कहा कि भाजपा सरकार रोडवेज, रेलवे और वायुमार्ग क्षेत्रों में परियोजनाओं को लागू करके राज्य में मल्टी मॉडल कनेक्टिविटी और एकीकृत ढांचागत विकास को बढ़ावा देने के लिए अगले पांच वर्षों के लिए 'अरुणाचल प्रदेश गति शक्ति मास्टर प्लान' लॉन्च करेगी। जो वादा नहीं किया था वह भी पूरा किया गया है।

टिकट न मिलने पर बोले रामदास

मैं शिरडी से चुनाव लड़ना चाहता था लेकिन...

नागपुर। केंद्रीय सामाजिक न्याय राज्य मंत्री रामदास अठावले ने

कहा कि वे शिरडी लोकसभा सीट से चुनाव लड़ना चाहते थे लेकिन एनडीए गठबंधन की कुछ मजबूरियों के कारण ऐसा नहीं हो सका। नागपुर में एक सम्मेलन में कहा कि उन्हें सत्तारूढ़ एनडीए के साथ रहने और केंद्र में कैबिनेट में जगह देने के लिए कहा है।

खबर संक्षेप

बालिका सशक्तिकरण मिशन की तैयारी

नई दिल्ली। भारत की सबसे बड़ी एकीकृत बिजली कंपनी एनटीपीसी लिमिटेड अपनी प्रमुख कॉर्पोरेट

सामाजिक जिम्मेदारी पहल, बालिका सशक्तिकरण मिशन (जीईएम) का नया संस्करण लॉन्च करने की तैयारी कर रही है। मिशन कार्यक्रमों के माध्यम से लड़कियों के सशक्तिकरण पर ध्यान केंद्रित करता है और इसका उद्देश्य उनके नेतृत्व गुणों की पहचान करके उनका पोषण करना है।

बांध में कार गिरने से 4 लोगों की मौत

राजकोट। गुजरात के राजकोट में एक दर्दनाक हादसा हुआ है। यहां एक कार रेलिंग तोड़ते हुए बांध में

गिर गई, जिससे 4 लोगों की मौत हो गई। यह हादसा धोराजी के भादर बांध में हुआ है। हादसे की वजह कार के टायर फटने को बताया जा रहा है। मरने वाले सभी मृतक धोराजी के निवासी हैं। दो परिवार सोमयज्ञ से लौट रहे थे, तभी कार का टायर फट गया और कार अनियंत्रित हो गई थी।

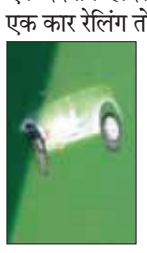

पुलिस वालों को 15 दिन में टैटू हटाने का आदेश

भुवनेश्वर। ओडिशा पुलिस ने अपनी विशेष सुरक्षा बटालियन (एसएसबी) के कर्मियों को अपने शरीर से 15 दिन के भीतर टैटू हटाने

के लिए कहा है. निर्देश में कहा गया कि वर्दी पहने व्यक्ति की त्वचा पर बने ये टैटू आसानी से ध्यान खींचते हैं और इन्हें अशोभनीय,अपमानजनक माना जाता है.भुवनेश्वर के पुलिस उपायुक्त (सुरक्षा) ने मंगलवार को इस आशय का आदेश जारी किया।

हाई कोर्ट के बाद राउज एवेन्यू कोर्ट से भी केजरीवाल को बड़ा झटका

कानून सबके लिए समान, हफ्ते में दो बार ही कर पाएंगे वकीलों से 'संपर्क'

तिहाड़ जेल में बंद दिल्ली के मुख्यमंत्री की याचिका खारिज

एजेंसी ▶▶। नई दिल्ली

तिहाड़ जेल में बंद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को राउज एवेन्यू कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। वह अब हफ्ते में केवल दो बार ही अपने वकीलों से मुलाकात कर पाएंगे। उन्होंने हफ्ते में 5 बार वकीलों से मुलाकात करने की मांग की थी।

केजरीवाल ने अपनी याचिका में मांग की थी कि पीएमएलए मामले में उन्हें हफ्ते में पांच बार वकीलों से मिलने का मौका दिया जाए। हालांकि कोर्ट ने इसे याचिका को खारिज कर दिया। इससे एक दिन पहले ही मंगलवार को दिल्ली हाई कोर्ट से भी केजरीवाल को बड़ा झटका लगा था। केजरीवाल ने अपनी गिरफ्तारी को चुनौती दी थी, लेकिन कोर्ट ने उनकी याचिका को खारिज कर दिया था। गौर हो कि केजरीवाल को ईडी ने दिल्ली सराब घोटाला में प्रमुक आरोपी बताया है। उनके कई सहयोगी भी इसी जेल में पहले से ही बंद हैं।

कोर्ट में केजरीवाल ने अपनी गिरफ्तारी को चुनौती दी थी

हाईकोर्ट से पहले भी लग चुका है बड़ा झटका

कानून की नजर में सभी लोग समान

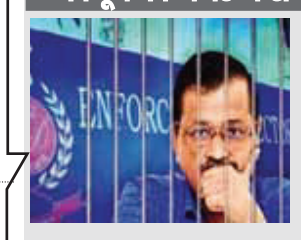

केजरीवाल ने दिल्ली हाईकोर्ट में अपनी गिरफ्तारी को चुनौती दी थी लेकिन उन्हें राहत नहीं मिली थी। दिल्ली हाई कोर्ट की जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा ने 25 मिनट तक अपना फैसला पढ़कर सुनाया और इस दौरान उन्होंने कई बार केजरीवाल को नसीहत भी दी तो कई बार फटकार भी लगाई। जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा ने कहा कि कानून की नजर में अरविंद केजरीवाल केवल एक सामान्य नागरिक हैं। उन्होंने कहा कि यह मामला सिर्फ केजरीवाल की गिरफ्तारी का नहीं है बल्कि यह समझना भी जरूरी है कि गिरफ्तारी और रिमांड में अंतर क्या है? कानून सभी पर समान रूप से लागू होता है।

विशेष लाभ नहीं दिया जा सकता

जस्टिस ने कहा कि एक आम आदमी को आरोप लगने पर तत्काल गिरफ्तार कर लिया जाता है और उसे पूछताछ के लिए रिमांड पर लिया जाता है। मुख्यमंत्री होने का लाभ अरविंद केजरीवाल को नहीं दिया जा सकता। इस प्रकार से इस तरह की याचिका अवैध है और सुप्रीम कोर्ट के फैसले का उल्लंघन है।

गिरफ्तारी को जायज ठहराया

हाई कोर्ट ने कहा कि सीएम केजरीवाल पूरी साजिश में लिप्त थे और उन्होंने घूस भी मांगी थी। ऐसे में उनकी गिरफ्तारी में कानूनी प्रावधानों का उल्लंघन भी नहीं हुआ है और ना ही उनकी गिरफ्तारी किसी तरह से अवैध है।

सिसोदिया मामले में ईडी की दलील

गुण-दोष पर विचार करना होगा

दिल्ली शराब नीति मामले में आरोपी मनीष सिसोदिया की राउज एवेन्यू कोर्ट में दाखिल जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान प्रवर्तन निदेशायल ने अपनी दलीलें कोर्ट के सामने रखी। ईडी के वकील ने कहा कयिह तय करने की जरूरत है कि क्या मुकदमा कछुआ गति से आगे बढ़ रहा है? जांच एजेंसी ने सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि गुण-दोष पर विचार करना होगा।

बारूद के ढेर पर बैठा बंगाल : घोष

राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ टीएमसी कर रही है 'बड़ा खिलवाड़'

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में भाजपा के वरिष्ठ नेता दिलीप घोष ने कहा कि बंगाल बारूद के ढेर पर बैठा है और यहां कभी भी हालात बिगड़ सकते हैं। दिलीप घोष ने कहा कि केंद्रीय जांच एजेंसियों को बंगाल में देश विरोधी गतिविधियों को रोकने के लिए सर्जिकल स्ट्राइक करने की जरूरत है। भाजपा नेता ने टीएमसी पर तुष्टिकरण की राजनीति करने और राष्ट्रीय सुरक्षा से खिलवाड़ करने का गंभीर आरोप लगाया।

चुनाव आयोग ने राज्यों को दिए निर्देश

चुनाव-संबंधी सामग्री पर मुद्रक प्रकाशक की स्पष्ट जानकारी हो

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने पार्टियों के प्रचार अभियान को अधिक जवाबदेह और पारदर्शी बनाने के लिए सभी राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों को होर्डिंग्स सहित छपवाई गई चुनाव-संबंधी सामग्री पर मुद्रक और प्रकाशक का स्पष्ट नाम व पता दिए जाने को अनिवार्य तौर पर लागू कराने के निर्देश दिए हैं।मुख्य चुनाव आयुक्त

राजीव कुमार और चुनाव आयुक्तों ज्ञानेश कुमार और डॉ. सुखबीर सिंह संधू के पूर्ण आयोग ने प्राप्त शिकायतों पर यह निर्णय लिया है।

हैदराबाद के रेस्टोरेंट पर कार्रवाई

फ्री का पानी नहीं देने पर कस्टमर को 5 हजार भरना होगा जुर्माना

एजेंसी ▶▶। हैदराबाद

यहां के एक रेस्टोरेंट को मुफ्त पानी नहीं देने पर कस्टमर को 5000 रुपए का मुआवजा देना होगा। जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने सर्विस चार्ज वसूलने के लिए रेस्टोरेंट को 500 हजारका मुआवजा देने का आदेश दिया है। कानूनी खर्च कस्टमर को एक हजार रुपए भी देने होंगे। रेस्तरां ने दो व्यंजनों और एक पानी की बोतल के लिए 630 रु. के बिल पर 31.50रु. सेवाशुल्क लिया।

पानी के साथ सर्विस चार्ज लगाया

कस्टमर ने बताया था कि उसे रेस्तरां में पानी नहीं पूछा गया और मुफ्त में पीने का पानी उपलब्ध न कराकर बोतल वाले पानी के साथ सर्विस चार्ज लगाया गया था।आयोग-3 ने जुबली हिल्स में स्थित रेस्तरां को 45 दिनों के अंदर कस्टमर को मुआवजा देने का निर्देश दिया है।

आईटीएलयू का मामला

सिकंदराबाद निवासी शिकायतकर्ता ने कुछ समय पहले सीबीआई कॉलोनी में आईटीएलयू रेस्तरां में एक परेशान करने वाले अनुभव के बारे में बताया। जहां'कांप्लिमेंट्री' रेगुलर वॉटर का अनुरोध करने के बावजूद रेस्टोरेंट कर्मचारियों ने इनकार कर दिया।

राष्ट्रपति ने की विश्व होम्योपैथी दिवस पर वैज्ञानिक सम्मेलन की शुरुआत

होम्योपैथिक चिकित्सा पर जुटे 8 देशों के प्रतिनिधि

इसका आयोजन सेंट्रल काउंसिल फॉर रिसर्च इन होम्योपैथी (सीसीआरएच) ने किया है। कई बैज्ञानिक, गणमान्य लोग और नीदरलैंड, स्पेन, कोलंबिया, कनाडा और बांग्लादेश से आठ प्रतिनिधि भी शामिल रहे। इसमें समाधान के कई पहलुओं को शामिल किया गया है।

एजेंसी ▶▶। नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने विश्व होम्योपैथी दिवस के अवसर पर बुधवार को दिल्ली के द्वारका स्थित यशोभूमि कन्वेंशनल सेंटर में दो दिवसीय वैज्ञानिक सम्मेलन का उद्घाटन किया। इसका आयोजन सेंट्रल काउंसिल फॉर रिसर्च इन होम्योपैथी (सीसीआरएच) ने किया है। इस अवसर पर कई बैज्ञानिक, गणमान्य लोग और नीदरलैंड, स्पेन, कोलंबिया, कनाडा और बांग्लादेश से आठ प्रतिनिधि भी शामिल रहे।

दिल्ली के द्वारका स्थित यशोभूमि कन्वेंशनल सेंटर में दो दिवसीय कार्यक्रम

अनुसंधान को सशक्त बनाना, दक्षता बढ़ाने पर संगोष्ठी

सम्मेलन का विषय 'अनुसंधान को सशक्त बनाना, दक्षता बढ़ाना: एक होम्योपैथिक संगोष्ठी' है। सम्मेलन का उद्देश्य नैदानिक अभ्यास और स्वास्थ्य कार्यक्रमों में साक्ष्य-आधारित वैज्ञानिक उपचार को बढ़ावा देना, अनुसंधान-आधारित चिकित्सा विज्ञान में होम्योपैथिक समुदाय को सक्षम बनाना, व्यक्तिगत, सुरक्षित और विश्वसनीय स्वास्थ्य देखभाल के लिए लोगों की जरूरतों को पूरा करने वाला स्वास्थ्य देखभाल केंद्र बनना और बेहतर इलाज के लिए गुणवत्तापूर्ण निदान, उपचार विज्ञान और वैज्ञानिक उपकरणों के साथ होम्योपैथिक चिकित्सा को समृद्ध करना है।

आयुष मंत्रालय के सचिव समेत कई दिग्गज रहे मौजूद

सम्मेलन में आयुष मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेचा, आयुष मंत्रालय के सीसीआरएच के महानिदेशक डॉ. सुभाष कौशिक, राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग के अध्यक्ष डॉ. अनिल खुराना, होम्योपैथी में पद्म पुरस्कार से अलंकृत पद्मश्री डॉ. वीके गुप्ता, पद्मश्री डॉ. मुकेश बत्रा, पद्मश्री डॉ. कल्याण बनर्जी, पद्मश्री डॉ. अनिल कुमारी मल्होत्रा और पद्मश्री डॉ. आरएस पारीक शामिल होंगे। इनके अलावा नीदरलैंड, स्पेन, कोलंबिया, कनाडा और बांग्लादेश से आठ प्रतिनिधि हिस्सा ले रहे हैं।

सामाजिक-आर्थिक विकास का वाहक बन रहा मध्यम वर्ग

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

पर्सनल केयर आइटम्स की मांग और आपूर्ति भी मध्यम वर्ग के कारण ही बढ़ी है। आज ऑनलाइन का जो बाजार खड़ा हुआ है उसको गति दी है तो वह मध्यम आयवर्ग के लोगों ने ही दी है। स्कूटर, स्कूटी, कार से लेकर वाहनों की जो रेलमपेल देखी जा रही है वह इस मध्यम वर्ग के कारण ही है। रियल स्टेट जिस तरह से आगे बढ़ रहा है और गगनचुंबी इमारतों का जिस तरह से जाल बिछ रहा है वह मध्यम वर्ग के कारण ही संभव हो पा रहा है। यही कारण है कि आज देशी-विदेशी कंपनियां मध्यम वर्ग को केन्द्रित कर अपने उत्पादों को बाजार में उतार रही है।

इसमें कोई दोराय नहीं कि किसी भी देश के आर्थिक-सामाजिक विकास में मध्यम वर्ग की प्रमुख भूमिका रही है। यह केवल हमारे देश के संदर्भ में ही नहीं अपितु समूचे विश्व की बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं का अध्ययन किया जाएगा तो कारण यही सामने आएगा। सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों के बदलाव में मध्यम वर्ग की प्रमुख भूमिका रही है। औद्योगिक क्रांति के बाद जिस तरह से श्रमिक वर्ग उभर कर आया तो औद्योगिक क्रांति का ही बाई प्रोडक्ट मध्यम वर्ग का उत्थान माना जा सकता है। आर्थिक विश्लेषकों की माने तो आर्थिक विकास का कोई ग्रोथ इंजन है तो वह मध्यम वर्ग है।

ज्यादा दूर नहीं जाएं और केवल वर्तमान दशक की शुरूआत बल्कि 2021 की ही बात करें तो देश में 30 फीसद परिवार मध्यम आय वर्ग की श्रेणी में आ गए थे। ऐसा माना जा रहा है कि 2031 तक यह आंकड़ा बढ़कर 46 फीसद को छू जाएगा। यानी की इस दशक में बचे साढ़े पांच साल में भी मध्यम आय वर्ग की श्रेणी में तेजी से सुधार होगा। 2021 में जहां 9.1 करोड़ परिवार मध्यम आय वर्ग की श्रेणी में थे वहीं 2031 तक यह संख्या बढ़कर 16.9 करोड़ होने का अनुमान लगाया गया है। किसी भी देश और उसकी अर्थव्यवस्था के लिए यह अपने आप में किसी बढ़ी उपलब्धि से कम नहीं आंकी जा सकती। विशेषज्ञों के अनुसार 5 लाख से 38 लाख सालाना आय वाले परिवारों को मध्यम आय वर्ग श्रेणी में माना गया है। यह भी समझना होगा कि मध्यम वर्ग के विस्तार का सीधा अर्थ गरीबी रेखा से लोगों का बाहर आना और बाजारू गतिविधियों में तेजी है। मांग और आपूर्ति को भी मध्यम वर्ग के संदर्भ में ही देखा और समझा जा सकता है।

मध्यम आय वर्ग में इजाफा होने का मतलब साफ-साफ यह हो जाता है कि देश की अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है। इसे यूं समझा जा सकता है कि मध्यम आयवर्ग या दूसरे अर्थ में हम मध्यम वर्ग की बात करें तो जीवन जीने का कोई आनंद लेता है तो वह मध्यम वर्ग ही है। मध्यम वर्ग के लोग जीवन को जीने में विश्वास रखते हैं भले ही उन्हें ऋण कृत्वा घृतं पीबेत की मानसिकता के अनुसार

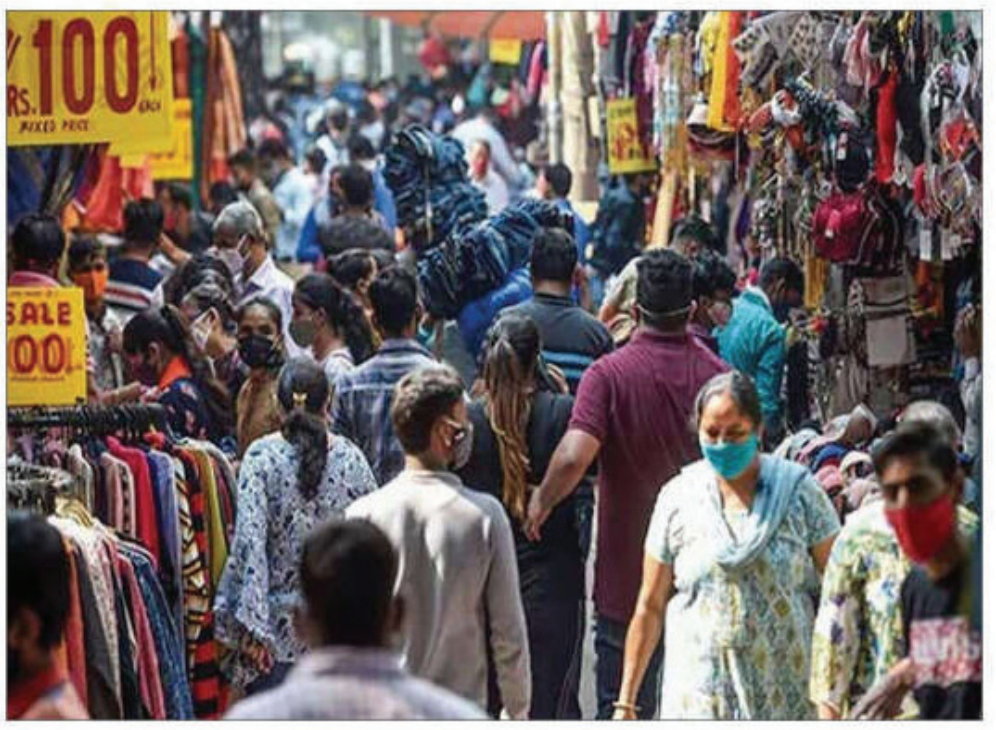

जीवनयापन करना पड़े। यही कारण है कि मध्यम वर्ग दिल खोलकर पैसा खर्च करता है। इसका एक कारण सामाजिक ताने -बाने की भाषा में हम कहें तो यह कहा जा सकता है कि बहुत कुछ वह दिखावे के लिए करता है। जीवनयापन की दिखावे की इस प्रतिस्पर्धा में वह वो सब कुछ पाना चाहता है जो उसके परिवार, पड़ोसी, मित्रगण या आसपास के लोगों के पास है। इसमें रहन-सहन, खान-पान, पहनना-ओढ़ना, शिक्षा और इसी तरह की अन्य वस्तु/साधन शामिल होते हैं। इसी कारण बाजार में नित नए उत्पादों की मांग बढ़ती है तो देश के लोगों के जीवनस्तर का पता चलता है।

दरअसल मध्यम वर्ग व्हाइट कॉलर का प्रतिनिधित्व करता है। वह इस प्रयास में रहता है कि दिन प्रतिदिन वह अधिक से अधिक साधन जुटाए, भले ही उसके लिए उसे उधार का सहारा लेना पड़े। यहां यह भी समझ लेना जरूरी हो जाता है कि उच्च आय वर्ग की अपनी समझ व पहुंच होती है। पहली बात तो उच्च आय वर्ग की दायरे में कम लोग है। उनकी पसंद नापसंद अलग होती है। उनके लिए जो उत्पाद बाजार में आएंगे वो अलग श्रेणी के होंगे। मध्यम वर्ग लगभग उसी दौड़ में दौड़ने का प्रयास करता है। उच्च वर्ग के पास लक्जिरियस चौपहिया वाहन है तो उसकी मांग पहले चरण में चौपहिया वाहन व उसके बाद ज्यों ज्यों वह थोड़ा आगे बढ़ना चाहेगा अपनी पहुंच के सुविधाजनक चौपहिया वाहन पाने की कोशिश में जुट जाएगा। इसी तरह से बाजार की मांग को मध्यम वर्ग ही बढ़ाता है। तस्वीर हमारे सामने हैं।

ज्यादा पुरानी बात नहीं दो दशक ही हुए होंगे कि घरों में पंखों की जगह कूलरों ने ली और कूलरों में भी हैसियत अनुसार ब्राण्डेड कंपनियों से लेकर लोकल कंपनियों के कूलरों ने घरों में जगह बनाई। आज तस्वीर का दूसरा पहलू सामने आ गया है जिस एयर कंडीशनर के लिए केवल सोचा जा सकता था वह आज घर-घर में पहुंच गया है। कम से कम एक एसी तो मध्यमवर्गीय परिवार में देखने को आसानी से मिल जाएगा। इसे यूं समझा जा सकता है कि मध्यम वर्ग के विस्तार के अनुसार बाजार में मांग बढ़ी तो नित नई कंपनियां बाजार में आईं और इससे अर्थव्यवस्था को गति मिलने के साथ ही रोजगार के अवसर बढ़े। यह तो एक उदाहरण मात्र है। देखा जाए तो फास्ट फूड हो या कंफेक्सरी या शॉफ्ट ड्रिंक या इसी तरह की अन्य खाने पीने की चीजें, इसको बाजार मिला है तो इसका श्रेय मध्यम वर्ग को ही जाता है।

पर्सनल केयर आइटम्स की मांग और आपूर्ति भी मध्यम वर्ग के कारण ही बढ़ी है। आज ऑनलाइन का जो बाजार खड़ा हुआ है उसको गति दी है तो वह मध्यम आयवर्ग के लोगों ने ही दी है। स्कूटर, स्कूटी, कार से लेकर वाहनों की जो रेलमपेल देखी जा रही है वह इस मध्यम वर्ग के कारण ही है। रियल स्टेट जिस तरह से आगे बढ़ रहा है और गगनचुंबी इमारतों का जिस तरह से जाल बिछ रहा है वह मध्यम वर्ग के कारण ही संभव हो पा रहा है। यही कारण है कि आज देशी-विदेशी कंपनियां मध्यम वर्ग को केन्द्रित कर अपने उत्पादों को बाजार में उतार रही है। सही मायने में कहा जाए तो जिसने मध्यम वर्ग की मांग को समझा वह मालामाल होता जा रहा है और उसकी बाजार में पकड़ तेज होती जा रही है। ऐसे में यह मानने में कोई संकोच नहीं होना चाहिए कि तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था का बहुत कुछ श्रेय मध्यम वर्ग को जाता है।

संपादकीय

चीन का भारत के विरुद्ध संघर्षपूर्ण रवैया जारी

चीन ने भारत के विरुद्ध टकराव एवं संघर्षपूर्ण रवैया जारी रखते हुए अरुणाचल प्रदेश के 30 स्थानों के नए नामों की चौथी सूची जारी की है। इससे जाहिर होता है कि इसने अपनी विस्तारवादी नीति का परित्याग नहीं किया है। चीन की यह प्रतिक्रिया प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 9 मार्च को अरुणाचल प्रदेश की यात्रा के करीब एक पखवाड़े बाद आई है। हालांकि प्रधानमंत्री की इस यात्रा के समय ही चीन ने अपना राजनयिक विरोध दर्ज कराया था। मोदी ने अरुणाचल प्रदेश में 13 हजार फीट की ऊंचाई पर बनी सेला सुरंग का उद्घाटन किया था। इस सुरंग से क्षेत्र में भारतीय सैनिकों की आवाजाही सुगम हो जाएगी। भारत सरकार ने अरुणाचल प्रदेश को लेकर चीन की प्रतिक्रिया को खारिज कर दिया है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा है कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न हिस्सा था, है और हमेशा रहेगा। राजनयिक स्थिति यह है कि भारत तिब्बत को चीन का हिस्सा मानता है, लेकिन चीन अरुणाचल प्रदेश को विवादास्पद करार देता है। इसी आधार पर पिछले अनेक वर्षो से चीन की ओर से स्टेपल वीजा जारी किए जाते हैं। वस्तुतः चीन यह अपेक्षा रखता है कि समूची दुनिया उसकी संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करे, लेकिन विडंबना देखिए कि वह स्वयं दूसरे देशों की संप्रभुता का सम्मान नहीं करता। यही कारण है कि पिछले कुछ वर्षो के घटनाक्रम से स्पष्ट होता है कि चीन ने दुनिया विशेषकर एशियाई देशों का सहयोग गंवाया है। जापान, दक्षिण कोरिया, वियेतनाम और कई आसियान देश दक्षिण चीन सागर और आसपास के समुद्री क्षेत्रों में चीन की दादागीरी को लेकर आशंकित हैं। वर्ष 2020 में पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी में चीनी सेना के दुःस्साहस से उसने भारत का भी विश्वास खोया है। वस्तुतः अरुणाचल में चीन के अनधिकृत दावे से स्पष्ट होता है कि वह भारत को ऐसा देश समझता है, जिसे कभी भी नुकसान पहुंचा सकता है। लेकिन गलवान घाटी की घटना के बाद भारतीय खेमे में भी दृढ़ता आई है। चीन तिब्बत को अपना स्वायत्तशासी प्रदेश कहता है तथा भारत भी एक चीन नीति के तहत ताइवान के साथ तिब्बत को चीन का हिस्सा स्वीकार करता है। आने वाले दिनों में यह स्थिति बदल सकती है।

चिंतन-मनन

सर्वव्यापी है आत्मा

केवल वह जो क्षणिक है, छोटा या नर है, उसे ही सुरक्षा की आवश्यकता है; जो स्थायी है, बड़ा या विशाल है, उसे सुरक्षा की जरूरत नहीं। सुरक्षा का अर्थ है समय विशेष को लंबा कर देना; इसीलिए सुरक्षा परिवर्तन में बाधक भी होती है। पूर्ण सुरक्षा की स्थिति में रूपांतरण नहीं हो सकता। सुरक्षा के बिना इच्छित रूपांतरण नहीं हो सकता। एक बीज को पौधे में परिवर्तित होने के लिए सुरक्षा चाहिए; एक पौधे के वृक्ष बनने के लिए सुरक्षा चाहिए। अत्यधिक सुरक्षा रूपांतरण में या तो सहायक हो सकती है या बाधक, इसीलिए रक्षक को यह समझ होनी चाहिए कि किस मात्रा तक उसे रक्षा करनी है।

सुरक्षा और रूपांतरण- दोनों काल और समय के अनुसार होते हैं और समय से परे होने के लिए इन नियमों का सम्मान आवश्यक है। सुरक्षा एक विशेष समय और नर चीजों तक ही सीमित है। चिकित्सक कब तक किसी को स्वस्थ रख सकता है या बचा सकता है? सदा के लिए? नहीं। सत्य को किसी सुरक्षा की आवश्यकता नहीं। शांति और खुशी को सुरक्षा की आवश्यकता नहीं, क्योंकि वे क्षणिक नहीं। तुम्हारे शरीर को सुरक्षा की आवश्यकता है, तुम्हारी आत्मा को नहीं; तुम्हारे मन को सुरक्षा की जरूरत है, स्वरूप को नहीं। आत्मा केवल मन और शरीर का समिश्रण नहीं है। आत्मा न मन है, न शरीर। शरीर के अस्तित्व का एकमात्र उद्देश्य है तुम्हें सचेत करना कि तुम कितने सुंदर हो; और तुमको जागरूक करना कि तुम जिन आदर्शों का सम्मान करते हो, उन सभी को तुम अपने जीवन में ढालकर, अपने चारों ओर एक दिव्य-जगत की सृष्टि करो। जो योगासन तुम करते हो, वह शरीर के लिए और जो ध्यान करते हो, वह मन के लिए है। शांत हो या विचलित; मन, मन ही रहता है। रोगी हो या निरोगी; शरीर, शरीर ही रहता है। आत्मा सर्वव्यापी है। शरीर के किसी अंग को उत्तेजित करने से मजा आता है, सुख का आभास होता है। जब आत्मा का उद्दीपन होता है, प्रेम जागृत होता है। प्रेम अनंत है, परंतु सुख सीमित है। प्रायः व्यक्ति समझते हैं कि सुख ही प्रेम है। सुख और प्रेम के फर्क को केवल भाग्यशाली ही समझ सकता है।

कोर्ट का फैसला सोशल मीडिया के लिए आशा की किरण

सनत जैन

सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने वाले एक यूट्यूबर को जमानत दे दी है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा है, कि सोशल मीडिया पर आरोप लगाने वाले हर व्यक्ति को यदि इसी तरह से सलाखों के पीछे डाला जाएगा, तो कितने लोग जेलों में कैद होंगे। इसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती है। तमिलनाडु सरकार से सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा, विरोध प्रदर्शन करना और विचारों की स्वतंत्रता का दुरुपयोग, आरोपी द्वारा नहीं किया गया है।

हाई कोर्ट ने आरोपी की जो जमानत तमिलनाडु हाईकोर्ट ने कैंसिल की थी। हाईकोर्ट के उस आदेश को सुप्रीम कोर्ट ने निरस्त कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि तमिलनाडु सरकार का जो हलफनामा है, उसमें आरोपी ने कहा था कि वह स्टालिन या किसी अन्य के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी नहीं करेगा। याचिकाकर्ता द्वारा उसका उल्लंघन किया गया है। हाई कोर्ट ने इस आधार पर, कि आरोपी ने अपने शपथ पत्र में कही हुई बात को नहीं माना। इस आधार पर हाईकोर्ट ने आरोपी की जमानत कैंसिल कर दी थी। हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ याचिकाकर्ता ने सुप्रीम कोर्ट में अपील की थी। सुप्रीम कोर्ट के आदेश से अब यूट्यूबर, ए दुरई मुरूगन सताई को सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिली है। सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला यूट्यूबर के साथ- साथ उन सभी व्यक्तियों के लिए, जो समय-समय पर सरकार का विरोध करते हैं। अपने विचारों की स्वतंत्र ढंग से अभिव्यक्ति करते हैं। सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करते हैं। विरोध प्रदर्शन वह सोशल मीडिया और यूट्यूबर के रूप में अपने असंतोष को सार्वजनिक करते हैं। यह सुरक्षा भारतीय संविधान ने दे रखी है। कोई भी व्यक्ति यदि इसका दुरुपयोग करता है। ऐसी स्थिति में उसके लिए प्रभावित पक्ष द्वारा आईपीसी में आपराधिक प्रकरण दर्ज कराने अथवा मानहानि के रूप में विधिक कार्रवाई की जा सकती है। ऐसे कई विकल्प मौजूद हैं। जिस व्यक्ति के खिलाफ यह कार्रवाई की गई थी, उस व्यक्ति के अधिकारों की रक्षा भारतीय संविधान में निहित है। जिस तरह से सरकारों द्वारा सरकार के खिलाफ बयान देने अथवा सरकार के किसी निर्णय, विरोध प्रदर्शन, आलोचना करने पर जेल भेजा जा रहा है। उसे सुप्रीम कोर्ट ने गलत बताया है। पिछले कुछ वर्षों में इस तरह की प्रवृत्ति बड़ी तेजी के साथ बढ़ी है। केंद्र सरकार हो या राज्य सरकारें अपने खिलाफ किसी भी विरोध को सहन नहीं कर पाती हैं। गलत तरीके से मुकदमे दायर किए जा रहे हैं। लोगों को जेल भेजा जा रहा है। स्वतंत्र अभिव्यक्ति करने पर लोगों को आईटी एक्ट या ऐसे मामलों में बंद किया जाता है, जिसमें महीनों और सालों तक जमानत नहीं होती है।

इस तरह के मामले में एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को लेकर, स्पष्ट कर दिया है। विचारों की भिन्नता होना, अथवा विपरीत विचारों के होते हुए भी किसी व्यक्ति को विचार व्यक्त करने से रोका नहीं जा सकता है। यदि किसी व्यक्ति के अधिकार इससे प्रभावित हो रहे हैं। किसी व्यक्ति द्वारा दुर्भावना से यदि अपमानजनक टिप्पणी अथवा झूठा बयान दिया जा रहा है। इसके लिए भारतीय दंड संहिता में अलग तरीके से कानून में प्रावधान है। सुप्रीम कोर्ट ने इसे अधिकारों का दुरुपयोग मानते हुए आरोपी को जमानत दी है। तमिलनाडु हाईकोर्ट के फैसले को निरस्त करने की कार्रवाई सुप्रीम कोर्ट ने की है। निश्चित रूप से पिछले एक दशक में सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म के माध्यम से लोग अपने विचारों की अभिव्यक्ति बड़े पैमाने पर करने लगे हैं। जिनको वह विचार अच्छे नहीं लगते हैं। वह उसे ना देखें, यदि किसी के ऊपर व्यक्तिगत आक्षेप गलत तरीके से किए गए हैं, तो उसे व्यक्ति को भी अधिकार है, कि वह ऐसे व्यक्ति पर कानूनी कार्रवाई कर सकता है। इस तरह से आरोपी को जेल में बंद नहीं रखा जा सकता है। निश्चित रूप से सुप्रीम कोर्ट के इस निर्णय से केंद्र सरकार, राज्य सरकार, जांच एजेंसी, ट्रायल कोर्ट और हाईकोर्ट द्वारा सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश की पालना में भविष्य में इस तरह से यदि कोई कार्रवाई की जाती है।

ऐसी कार्रवाई पर जमानत देते हुए संवैधानिक स्वरूप को बनाए रखने के लिए लचीलापन अपने की जरूरत है। नाकि सरकार और जांच एजेंसी द्वारा की गई कार्रवाई को मानने की जरूरत है। पिछले कुछ समय से सरकार द्वारा सोशल मीडिया से जिस तरह से कंटेंट हटाए जा रहे हैं। यूट्यूबर पर जिस तरह की कार्रवाई की जा रही है। उसका बड़ा विरोध पत्रकारों द्वारा किया जा रहा है। न्यायालयीन व्यवस्था में दो पक्ष होते हैं। न्यायालय के लिए दोनों पक्ष समान रूप से न्याय पाने के अधिकारी होते हैं। सरकार और जांच एजेंसियां जिस तरीके की कार्रवाई कर रही हैं। उससे न्यायालयों की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है। सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश से यही जाहिर होता है। सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु हाईकोर्ट के फैसले को रद्द करते हुए, एक बार फिर सोशल मीडिया और यूट्यूबर को संरक्षित बनाए रखने के लिए, सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय आशा की किरण है।

क्यों बिहार पर टिकी है सबकी निगाहें?

संजय गोस्वामी

क्यों बिहार पर है सबकी निगाहें क्योंकि बिहार एक ऐसा राज्य है जिसकी सीमाएं बड़े राज्यों से लगी है और उसी सेंटर से लोकसभा में हार जीत का फैसला होता है बिहार के मुख्य मंत्री श्री नीतीश कुमार बीआईटी से सिविल इंजीनियरिंग में ग्रेजुएट है। नीतीश का उपनाम मुन्ना है।सोशल इंजीनियरिंग के जादूगर नीतीश कुमार ने सुशासन के मुद्दे पर पिछला चुनाव लड़कर बिहार के मुख्यमंत्री की कुर्सी हासिल की थी। नीतीश कुमार अब तक तीन बार बिहार के मुख्यमंत्री होने का गौरव प्राप्त कर चुके हैं। विचारों से समाजवादी बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार काफी सुलझे हुए नेता माने जाते हैं। मोदी को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किए जाने के बाद नीतीश कुमार की पार्टी जदयू ने एनडीए से काफी पुराना नाता तोड़ लिया था। नीतीश कुमार इस बार के लोकसभा चुनाव में अपने लिए उपयुक्त संभावनाएं तलाशने की कोशिश कर रहे हैं। बिहार के पटना इंजीनियरिंग कॉलेज से मैकेनिकल इंजीनियरिंग की डिग्री लेने वाले नीतीश कुमार का जन्म साल 1951 में बिहार के एक दलित परिवार में हुआ था। नीतीश का उपनाम मुन्ना है। नीतिश के पिता एक स्वतंत्रता सेनानी थे। नीतीश ने राजनीति के गुण जयप्रकाश नारायण, राम मनोहर लोहिया, कपूरी ठाकुर और जॉर्ज फनार्डीज से सीखे थे। नीतीश ने 22 फरवरी 1973 को पेशे से इंजीनियर मंजू कुमारी सिन्हा से शादी की थी। नीतीश कुमार का एक पुत्र है जो बीआईटी, मेश्रा से इंजीनियरिंग ग्रेजुएट है नीतीश के राजनीतिक करियर की शुरूआत साल 1977 में हुई थी। इस साल नीतीश ने जनता पार्टी के टिकट पर पहला विधानसभा चुनाव लड़ा। साल 1985 को नीतीश बिहार विधानसभा के सदस्य चुने गए। नीतीश का राजनीतिक कद धीरे धीरे बढ़ता जा रहा था। इसी बीच साल 1987 को नीतीश कुमार बिहार के युवा लोकदल के अध्यक्ष बन गए। नीतीश राजनीति में पारंगत हो ही रहे थे कि साल 1989 को नीतीश कुमार को जनता दल (बिहार) का महासचिव बना दिया गया। अब तक नीतीश ने अच्छी खासी राजनीतिक पहचान बना ली थी। साल 1989 नीतीश के राजनीतिक करियर के लिए काफी अहम था। इस साल नीतीश 9वीं लोकसभा के लिए चुने गए। लोकसभा के लिए ये नीतीश का पहला कार्यकाल था। इसके बाद साल 1990 में नीतीश अप्रैल से नवंबर तक कृषि एवं सहकारी विभाग के केंद्रीय राज्य मंत्री रहे। नीतीश का राजनीतिक कद लगातार बढ़ता जा रहा था। साल 1991 में दसवीं लोकसभा का चुनाव हुए नीतीश एक बार फिर से संसद में पहुंचे। इसी साल नीतिश कुमार जनता दल के महासचिव बने और संसद में जनता दल के उपनेता भी बने। करीब दो साल बाद 1993 को नीतीश को कृषि समित का चेयरमैन बनाया गया। एक बार फिर से आम चुनाव ने दस्तक दी। साल 1996 में नीतीश कुमार 11वीं लोकसभा के लिए चुने गए। नीतीश साल 1996-98 तक रक्षा समिति के सदस्य भी रहे। साल 1998 ने नीतीश फिर से 12वीं लोकसभा के लिए चुने गए। 1998-99 तक नीतीश कुमार केंद्रीय रेलवे मंत्री भी रहे। एक बार फिर चुनाव हुए साल 1999 में नीतीश कुमार 13वीं लोकसभा के लिए चुने गए। इस साल नीतीश कुमार केंद्रीय कृषि मंत्री भी रहे। साल 2000 नीतीश के राजनीतिक करियर का सबसे अहम मोड़ था। इस साल नीतीश कुमार पहली बार बिहार के मुख्यमंत्री बने। उनका कार्यकाल 3 मार्च 2000 से 10 मार्च 2000 तक चला। चूंकि बहुमत साबित नहीं कर सकें लेकिन सबसे बड़ी पार्टी एन डी ए थी अतः उस समय केंद्र में बीजेपी की सरकार थी अतः जद यू के कोटे से साल 2000 में नीतीश एक बार फिर से केंद्रीय कृषि मंत्री रहे। साल 2001 में नीतीश को रेलवे का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया। साल 2001 से 2004 तक नीतीश केंद्रीय रेलमंत्री रहे। साल 2002 के गुजरात दंगे भी नीतीश कुमार के कार्यकाल के दौरान हुए थे।लेकिन गठबंधन बना था उस समय स्व शरद यादव अध्यक्ष थे लेकिन सही मायने में कमान श्री नीतीश कुमार के पास थी साल 2004 में नीतीश 14वीं लोकसभा के लिए चुने गए। लेकिन उस समय यू पी ए की सरकार बनी,साल लेकिन 2005 में नीतीश कुमार एक बार फिर से मुख्यमंत्री बने। बतौर 31वें मुख्यमंत्री नीतीश का ये कार्यकाल 24 नवंबर 2005 से 24 नवंबर 2010 तक चला। 26 नवंबर 2010 को नीतीश कुमार एक बार फिर से मुख्यमंत्री बने व एंनडीए की सरकार बनी 2014 में जब गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का नाम बीजेपी ने पारित किया तो झिलमिला गएँ चूंकि 2014 में और अपनी पार्टी,जनता दल (यू) को उन्होंने एनडीए से अलग कर लिया बीजेपी की मजबूरी यह थी कि लगातार श्री आडवाणी जी के नेतृत्व में सरकार बनाने के लिए बहुमत मिल ही नहीं रहा था अतः मोदीजी के गुजरात के शासन से लोगों में एक विश्वास जगा और पहली बार बीजेपी को सरकार बनाने हेतु स्पष्ट बहुमत मिला और उधर बिहार की राजनीति में चाणक्य व पाला बदलने में मशहूर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एक मंझे हुए राजनेता के मशहूर नाम के नाम से उभरे उन्हें जब 2सीट मिली तो हार की जिम्मेदारी लेते हुए उन्होंने मांझी को सी एम बना दिया फिर कुछ साल बाद 2015 में उन्हें लगने लगा कि कुर्सी नहीं होने के कारण कोई पूछ ही नहीं रहा है तो उन्होंने मांझी से बगावत कर आरजेडी से मिलकर सरकार बना ली और 2016 में आर जे डी व कांग्रेस से मिलकर महागठबंधन बना ली और पुनः मुख्य मंत्री बने और फिर लालू के बेटे तेजस्वी को उपमुख्यमंत्री बनाया और आरजेडी के साथ मिलकर कुछ सालों बाद2017में बी जे पी के साथ मिलकर सरकार बना ली और ऐ गठबंधन 2020तक चली और पुनः बीजेपी, हम, निषाद पार्टी के साथ मिलकर वो मुख्यमंत्री बने और श्री सुशील मोदी उप मुख्य बने। कुछ सालों में दोनों दलों में खटपट होने लगी मुझे याद है अकेले प्रधानमंत्री श्री मोदी जी ने ताबड़तोड़ खूब सभाएं की क्योंकि सारे एग्जिट पोल महा गठबंधन को जीतते दिखा रही थी मोदीजी ने चुनाव में जंगल राज की बात करते हुए दो राजकुमार को खूब खड़ी खोटी सुनाई उस समय की याद यानि जंगल राज में गावों में लकड़सुंघवा घूमता था जो ठग, नशीली वस्तु का प्रयोग कर ठगने या लूटने वाला शिकारी है और बच्चा चोर शायद उस समय बच्चा के गायब होनी की खूब घटना घटी और एक ऐसा गैंग सक्रिय हो गया जो लूट पाट मारपीट, हत्या, वसूली, और बच्चों की तस्करी कर उनकी खोपड़ी को विदेशों में बेचते थे मोदीजी में ऐ सबसे बड़ी ताकत यह है कि सच्ची बात बताने और काम करने वालों की प्रशंसा करते हैं आज कोई जेल में है तो एक घोटाला हुआ और पकड़े गए इसमें गलती उनकी है,आखिर लोगों ने हकीकत समझ कर एनडीए जीत गई लेकिन बीजेपी तो अपनी सीट को जीत में तब्दीक कर दि और दूसरे नम्बर की पार्टी बनी और फिर नीतीश कुमार मुख्य मंत्री बने और दो डिप्टी सीएम भाजपा के कोटे से बने साल भर ठीक था लेकिन अचानक उन्हें 24 में पीएम बनने का मन किया देखिये सोचना आसान है करना उससे मुश्किल होता है मोदीजी को विपक्ष ने क्या क्या नहीं कहा लेकिन शांतिपूर्ण तरीके से जबाब भी दिया और काम पर ज्यादा फोकस किया हाथ जोड़ने की कला और काम करने की लगन से ही जनता उन्हें प्रधानमंत्री बना दी नीतीश की आगे की राजनीती इतना काम करते हुए भी नहीं ऊपर उठ सकी क्योंकि कुर्सी के लिए उन्होंने एक ऐसी पार्टी से हाथ मिला ली जिसके खिलाफ ही राजनीती में अपना परचम लहराये और जब लगने लगा कुर्सी पर खतरा मंडरा रहा है तो जून 2022 में पुनः आरजेडी के साथ हो लिए और जब लगा इंडि गठबंधन में अध्यक्ष चुन लिए जायेंगे तो उसमें कांग्रेस ने अपना दावा ठोक दिया और जब एक छोटी सी टी आर एस की पार्टी तेलंगाना के उस समय के मुख्यमंत्री श्री चंद्रशेखर राव को उन्होंने पटना बुलाया तो नीतीश कुमार के मनसूबे पर पानी फेर दिया और बैठे रहने की सलाह दी इससे गलत मैसेज गया और पार्टी के कार्यकर्त्ता में नाराजगी देखी गई अंततः एक समय जब ऐसा लगने लगा की मेरी कुर्सी जो है वो तेजस्वी के पास विधायक तोड़कर बहुमत सिद्ध हो जायेगा तो खुद पार्टी की कमान संभाल ली और ऐसा लगने लगा कि शायद पलटी मारेंगे विश्वासनीय सूत्रों से पता चला कि वो प्रधानमंत्री से मिलकर गीले शिकवे भुलाकर फिर बीजेपी का समर्थन माँगा शायद प्रधानमंत्री ने बिहार के हित व पार्टी के हित में दरवाजा खोल दिया और पुनः जनवरी 24 मेंपुनः इस्तीफा देकर फिर से बीजेपी के सहयोग से मुख्यमंत्री बने लेकिन अभी बहुमत सिद्ध नहीं हुआ था और तेजस्वी के उस बयान ने खलबली मच गई कि खेला अभी शुरू हुआ है लेकिन इसबार बीजेपी के श्री सम्राट चौधरी को बिहार प्रदेश का अध्यक्ष बना कर एक शेर से दूसरे शेर से भीड़ा दी और फिर एनडीए सवा शेर हुई और जोड़ तोड़ कर स्पीकर को अविशवाश प्रस्ताव पेश की और

मलयालम डेब्यू में फहद फासिल के साथ नजर आएंगे एसजे सूर्या!

एस जस्टिन सेल्वाराज यानी एसजे सूर्या मलयालम इंडस्ट्री में डेब्यू करने जा रहे हैं। एसजे सूर्या ने तमिल, तेलुगु और हिंदी कई फिल्मों में अपने शानदार अभिनय से दर्शकों का दिल जीता। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एसजे सूर्या अब मलयालम के दर्शकों पर अपने अभिनय का जादू चलाने को तैयार हैं। चर्चा है कि एस जे सूर्या अभिनेता फहद फासिल के साथ स्क्रीन साझा करेंगे। एसजे सूर्या एक अभिनेता के साथ-साथ फिल्म निर्देशक, स्क्रिप्ट राइटर, संगीतकार और निर्माता भी हैं। तमिल सिनेमा में एक अभिनेता के तौर पर एसजे सूर्या की कई जबर्दस्त और प्रतिष्ठित भूमिकाएं निभाई है। ऐसे में मलयालम दर्शकों भी इस खबर के सामने आने के बाद से एस जे सूर्या को बड़े पर्दे पर देखने के लिए उत्साहित नजर आ रहे हैं। रिर्पोट्स की मानें तो निर्देशक विपिन दास की अगली फिल्म में एसजे सूर्या नजर आ सकते हैं, जिसमें वे फहद फासिल उनके साथ स्क्रीन साझा करेंगे। हालांकि, अभी तक फिल्म और कलाकारों को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। दोनों दिग्गज कलाकारों को एक साथ देखने के लिए दर्शकों में भी खासा उत्साह देखने को मिल रहा है।
एसजे सूर्या की आखिरी बार बीते साल तमिल फिल्म जिगरथंडा डबलएक्स में देखा गया था। इस फिल्म में वे राघव लॉरेंस और कार्तिक सुब्बाराज के साथ नजर आए थे। अभिनेता की आगामी फिल्मों की बात करें तो वे निर्देशक शंकर की फिल्म इंडियन 2 और गेम चेंजर में भी नजर आने वाले हैं। वहीं, फहद फासिल अपनी अगली फिल्म आवेशम में नजर आएंगे, जो 11 अप्रैल 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसके अलावा इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्म पुष्पा 2- द रूल में भी फहद फासिल महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आन वाले हैं। फिल्म में वे अल्लू अर्जुन के अपोजिट होंगे। इसके अलावा रजनीकांत स्टारर वेट्टैयान में भी महत्वपूर्ण भूमिका के लिए चुना गया है। वहीं, अगर निर्देशक विपिन दास की बात करें तो वे अपनी पिछली फिल्म जया जया जया जया हे को लेकर चर्चा में आए थे। फिल्म को दर्शकों ने खूब पसंद किया था, जिसमें बेसिल जोसेफ और दर्शन राजेंद्रन महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आए थे। विपिन दास ने हाल ही में पृथ्वीराज सुकुमारन के साथ अपनी अगली फिल्म गुरुवायूर अंबालानदायिल की शूटिंग भी पूरी की है।

साजिद नाडियाडवाला के साथ फिर काम करने की अफवाह पर कृति ने तोड़ी चुप्पी

बॉलीवुड अभिनेत्री कृति सेनन इन दिनों अपनी फिल्म क्रू की सफलता का लुत्फ उठा रही हैं। अभिनेत्री इस फिल्म में तब्बू और करीना कपूर के साथ नजर आईं। फिल्म में अभिनेत्रियों की तिकड़ी को फैंस ने खूब पसंद किया। वहीं उनकी अदाकारी को भी खूब सराहा। अब कृति सेनन की नई फिल्म को लेकर कुछ चर्चा चल रही हैं, जिसके बाद में अभिनेत्री ने खुलकर बता की। दरअसल, इंडस्ट्री में चर्चा है कि कृति एक बार फिर साजिद नाडियाडवाला के साथ फिल्म के लिए सहयोग कर सकती हैं। वहीं अब उन्होंने इस पर अपनी प्रतिक्रिया दी। दरअसल, 3 अप्रैल को कृति सेनन को मुंबई में फिल्म निर्माता साजिद नाडियाडवाला के कार्यालय के बाहर देखा गया था। अफवाह फैली कि कृति और साजिद के बीच किसी नई फिल्म की चर्चा चल रही है। हालांकि इस बारे में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है, लेकिन उनकी यात्रा ने अफवाहों को हवा दे दी। जब अभिनेत्री से इन अटकलों के बारे में पूछा गया तो उन्होंने हाल ही में दिए साक्षात्कार में कहा कि जल्द ही इसकी उम्मीद की जा सकती है। कृति सेनन ने अपने बॉलीवुड करियर की शुरुआत 2014 में साजिद नाडियाडवाला की फिल्म हीरोपंती से की थी। एक बार फिर साजिद के साथ काम करने के बारे में बात करते हुए कृति ने कहा कि साजिद ऐसे व्यक्ति हैं, जिनसे मैं सच्चा प्यार करती हूं। उन्होंने मुझे इंडस्ट्री में लॉन्च किया। उनकी वजह से में आज बॉलीवुड में हूं। कुछ ऐसी चीजें हैं, जिनके बारे में हम बात कर रहे हैं। मुझे उम्मीद है कि कुछ बात बनेगी। यह कोई जल्दबाजी वाली बात नहीं है। बहुत सारे लोग बहुत सारी चीजें पढ़ और लिख रहे हैं। मुझे उम्मीद है कि कुछ हो सकता है। वहीं अभिनेत्री ने अपनी अगली फिल्मों के बारे में अपनी इच्छाएं भी व्यक्त कीं। कृति ने कहा कि वे पूरी तरह से कॉमेडी या रोमांटिक फिल्में भी करना चाहती हैं। वहीं, अब इस टिप्पणी से चर्चा है कि यदि साजिद और कृति के बीच किसी नई फिल्म को लेकर चर्चा हो रही है तो वह एक रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म भी हो सकती है। हालांकि, इस पर आधिकारिक पुष्टि का इंतजार है। हालांकि, अटकलें यह भी लगाई जा रही है कि हो सकता है कि कृति हाउसफुल 5 का हिस्सा बन सकती हैं। हाउसफुल 5 फिल्म का निर्देशन तरुण मनसुखानी द्वारा किया जा रहा है और नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट के तहत साजिद नाडियाडवाला द्वारा निर्मित किया जा रहा है।

दिनेश विजान की आगामी रोमांटिक-कॉमेडी में बनेगी राजकुमार-वामिका की जोड़ी

राजकुमार राव बॉलीवुड इंडस्ट्री के बेहतरीन अभिनेताओं में से एक हैं। अभिनेता को अलग-अलग फिल्मों और वेब सीरीज में अपने अलग-अलग अंदाज से दर्शकों का दिल जीतते देखा जा चुका है। वहीं अब अभिनेता के आगामी प्रोजेक्ट पर एक और बड़ा अपडेट सामने आया है। रिपोर्ट्स की मानें तो राजकुमार राव, दिनेश विजान की मैडॉक फिल्म्स द्वारा निर्मित आगामी रोमांटिक कॉमेडी का हिस्सा बन गए हैं। फिल्म में उन्हें इस शानदार अभिनेत्री के साथ दर्शकों का दिल जीतते देखा जाएगा। खबरों के अनुसार, राजकुमार राव और वामिका गब्बी दिनेश विजान की मैडॉक फिल्म्स द्वारा निर्मित आगामी रोमांटिक कॉमेडी में स्क्रीन साझा करने के लिए तैयार हैं। फिल्म प्यार, हंसी और दिल छू लेने वाले पलों का एक आनंदमय मिश्रण होने का वादा करती है। रिपोर्ट के मुताबिक, मैडॉक फिल्म्स ने एक नई प्रेम कहानी बनाई है जिसमें राजकुमार राव और वामिका गब्बी मुख्य भूमिका में हैं। कथानक और अन्य विवरण फिलहाल रहस्य में डूबे हुए हैं, लेकिन माना जाता है कि यह एक छोटे शहर में स्थापित एक विचित्र रोमांटिक ड्रामा है, जो एक असामान्य परिस्थिति में फंसे एक जोड़े के इर्द-गिर्द घूमता है। हालांकि, फिल्म की कहानी के बारे में विवरण गुप्त रखा गया है, लेकिन खबरों की मानें तो यह आधुनिक रिश्तों पर एक ताजा प्रस्तुति होगी। आप इस फिल्म से मजाकिया डायलॉग, भरोसेमंद किरदार और फील-गुड रोमांस की खुराक की अपेक्षा कर सकते हैं।

आंखों की गुस्ताखियां से जुड़े विक्रांत मैसी

विक्रांत मैसी ने हाल ही में विधु विनोद चोपड़ा की फिल्म 12वीं फेल में अपनी भूमिका के लिए व्यापक प्रशंसा हासिल की। अब अभिनेता एक फिर दर्शकों को लुभाने के लिए तैयारी कर रहे हैं। बताया गया है कि मैसी अपनी आने वाली फिल्म आंखों की गुस्ताखियां में एक दृष्टिहीन संगीतकार का किरदार निभाएंगे। फिल्म का शीर्षक संजय लीला भंसाली की रोमांटिक मूवी, हम दिल दे चुके सनम (1999) के सलमान खान और ऐश्वर्या राय बच्चन के गाने आंखों की गुस्ताखियां से प्रेरणा लेता है। इस परियोजना का नेतृत्व लेखक निरंजन अयंगर कर रहे हैं, जो अपने लेखन के तहत कई हिंदी फिल्मों की पटकथा लिखने के दो दशक बाद निर्देशन की दुनिया में कदम रख रहे हैं। मिनी फिल्म्स बैनर की मानसी बागला और वरुण बागला फिल्म के निर्माण के लिए भूषण कुमार की टी-सीरीज के साथ हाथ मिला रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, आंखों की गुस्ताखियां शीर्षक की जड़ें प्रशंसित लेखक रस्किन बॉन्ड की लघु कहानी द आइज हैव इट से मिलती हैं। अयंगर ने स्वयं इस मनोरंजक कहानी का स्क्रीन रूपांतरण लिखा है, जो एक दृष्टिहीन संगीतकार और एक थिएटर अभिनेत्री द्वारा की गई प्रेम और आत्म-खोज की यात्रा के इर्द-गिर्द घूमती है।

शाहरुख खान और एटली से नाराज नहीं हैं नयनतारा!

जवान के रिलीज होने के बाद ऐसी खबरें सामने आ रही थीं कि नयनतारा अपने रोल से खुश नहीं थीं, क्योंकि उन्हें फिल्म में कम स्क्रीन स्पेस मिला था। अब एक्ट्रेस ने इशारों में इन अफवाहों का खंडन कर दिया है। उन्होंने एटली को अपना परिवार बताया और शाहरुख की जमकर तारीफ की। साउथ की फेमस एक्ट्रेस नयनतारा ने पिछले साल शाहरुख खान के साथ 'जवान' फिल्म से हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा। फिल्म जबरदस्त हिट रही। साल 2023 की सबसे ज्यादा कमाने वाली फिल्म बन गई। ना सिर्फ एक्टिंग, बल्कि दोनों की केमिस्ट्री को भी दर्शकों ने खूब सराहा। गाहे-बगाहे ये खबर भी आती रही कि डायरेक्टर एटली ने नयनतारा को कम स्क्रीन-स्पेस दिया, जिस वजह से वो नाखुश हैं। खैर। अब एक्ट्रेस ने शाहरुख खान की क्वालिटी को लेकर बात की है और उनकी जमकर तारीफ भी की है। ये भी बताया कि वो एक ऐसी ही फिल्म का इंतजार कर रही थीं, जिससे बॉलीवुड में डेब्यू कर सकें।

शोभिता ने साझा किया अपना हॉलीवुड अनुभव

बड़ी बात शोभिता धूलिपाला इन दिनों अपने हॉलीवुड डेब्यू को लेकर चर्चा में हैं। देव पटेल की मंकी मैन 5 अप्रैल को रिलीज हुई। हालांकि अभी भारत में इस फिल्म को रिलीज नहीं किया गया है। गौरतलब है कि देव पटेल इस फिल्म के निर्माता भी हैं। फिल्म में शोभिता के एक कॉल गर्ल सीता का किरदार में निभा रही है। इस दौरान शोभिता ने देव पटेल के साथ काम करने का अनुभव भी साझा किया। देव की तारीफ करते हुए शोभिता ने कहा, इस तरह के किरदारों के लिए देव पर भरोसा किया जा सकता है।

कमल हासन की इंडियन 2 जून में सिनेमाघरों में मचाएगी तूफान

साउथ और हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के फेमस एक्टर कमल हासन ने अपनी अपकमिंग मूवी इंडियन 2 का नया पोस्टर शेयर किया है। इसके साथ ही ये भी अनाउंस किया है कि ये फिल्म दुनियाभर में जून महीने में रिलीज होगी। इसमें काजल अग्रवाल और रकुल प्रीत सिंह भी नजर आएंगी। साउथ के फेमस एक्टर कमल हासन हिट मूवी इंडियन के दूसरे पार्ट को लेकर जबरदस्त चर्चा हो रही थी। इस बीच एक्टर ने इंडियन 2 का नया पोस्टर शेयर कर दिया है। साथ ही फैंस को ये भी बता दिया है कि ये फिल्म थिएटर्स में कब रिलीज होने वाली है। इसमें कमल के साथ काजल अग्रवाल और रकुल प्रीत सिंह भी नजर आएंगी। इंडियन 2 के नए पोस्टर में कमल हासन बिल्कुल भी पहचान में नहीं आ रहे हैं। सफेद बाल और सफेद पोशाक... हाथों में हथकड़ी और चेहरे पर झुर्रियां... वाकई आप एक्टर को पहचान नहीं पाएंगे। इसके साथ ही बैकग्राउंड में कई लोगों की परछाई नजर आ रही है। एक्टर ने कैप्शन में लिखा है, सेनापति की वापसी के लिए तैयार हो जाइए! इंडियन-2 इस जून में सिनेमाघरों में धूम मचाने के लिए तैयार है। शानदार कहानी के लिए अपने कैलेंडर पर लिख लें। फिल्म के पोस्ट के साथ ही कमल हासन ने रिलीज मंथ का भी ऐलान कर दिया है। उन्होंने बताया है कि ये फिल्म इसी साल जून महीने में सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। हालांकि, मेकर्स की तरफ से अभी तक ये ऐलान नहीं किया गया है कि फिल्म किस तारीख को रिलीज होगी।

वेट्टैयन और देवरा से पर्दे पर टकराएगी राम चरण की गेम चेंजर

राम चरण के फैंस को उनकी आगामी फिल्म गेम चेंजर का लंबे समय से इंतजार है। फिल्म में उनके साथ कियारा आडवाणी भी नजर आने वाली हैं। हाल ही में इस फिल्म का गाना रिलीज किया गया था, जिसे लोगों ने भरपूर प्यार दिया था। इस बीच फिल्म को लेकर एक नई जानकारी सामने आई है। राम चरण लंबे समय से इस पॉलिटिकल एक्शन ड्रामा फिल्म पर काम कर रहे हैं। यह पहली बार है जब तमिल निर्देशक शंकर ने किसी तेलुगु हीरो के साथ काम किया है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो फिल्म के निर्माता इसे अक्तूबर के महीने में रिलीज करने पर विचार कर रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक यह फिल्म 31 अक्तूबर को सिनेमाघरों में दस्तक दे सकती है। हालांकि, फिल्म की रिलीज डेट को लेकर अब तक कोई आधिकरिक घोषणा नहीं की गई है। जानकारी के मुताबिक अक्तूबर महीन में कई बड़ी फिल्में बड़े पर्दे पर रिलीज हो सकती हैं। बताया जा रहा है कि देवरा और वेट्टैयन के मेकर्स भी इसे उसी महीने रिलीज करने की तैयारी में। ऐसे में कयास लगाए जा रहे हैं कि बॉक्स ऑफिस पर तीनों फिल्मों में टक्कर देखने को मिल सकती है। इस हिसाब से देखा जाए तो अक्तूबर का महीना साउथ सिनेमा के लिए काफी महत्वपूर्ण होने वाला है। इस साल शंकर की एक और फिल्म रिलीज होने वाली है। हाल ही में निर्माताओं ने कमल हासन अभिनीत फिल्म इंडियन 2 को जून में रिलीज करने का एलान किया है। गेम चेंजर की बात करें तो राम चरण के साथ कियारा की यह दूसरी फिल्म है। इसका निर्माण दिल राजू ने किया है।

केजरीवाल सरकार में मंत्री आनंद ने दिया इस्तीफा

बोले- भ्रष्टाचार के दलदल में फंस चुकी है आप पार्टी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली की अरविंद केजरीवाल सरकार में मंत्री राजकुमार आनंद ने मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने मीडिया से बातचीत में भ्रष्टाचार को लेकर आम आदमी पार्टी के रुख पर सवाल उठाए। उनके पास समाज कल्याण मंत्रालय की जिम्मेदारी थी। उन्होंने कहा कि वो किसी पार्टी में नहीं जा रहे हैं। आनंद ने कहा कि मैं राजकुमार आनंद मैं दिल्ली सरकार में मंत्री हूं, मेरे पास 7 पोर्टफोलियो है लेकिन आज मैं बहुत व्यथित हूं इसलिए मैं आपको अपना दुख साझा करने आया हूं। मैं राजनीति में तब आया था जब अरविंद केजरीवाल ने कहा था कि राजनीति बदलेगी लेकिन मुझे अफसोस के साथ कहना पड़ रहा है कि राजनीति तो नहीं बदली लेकिन राजनेता बदल गए। आम आदमी पार्टी का जन्म भी भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन से हुआ था लेकिन आज पार्टी खुद भ्रष्टाचार के दलदल में फंस चुकी है। उन्होंने कहा कि मेरे लिए मंत्री पद पर रहकर इस सरकार में रहकर काम असहज हो गया है, मैं इस पार्टी, इस सरकार से इस्तीफा दे रहा हूं क्योंकि मैं भ्रष्ट आचरणों में अपना नाम नहीं जुड़ना चाहता। मैं नहीं समझता कि हमारे पास शासन करने की कोई नैतिक ताकत बची है। गौर हो कि भ्रष्टाचार के खिलाफ बोलने वाले आनंद के कई ठिकानों पर नवंबर में ईडी ने छापा मारा था। वहीं, आप सांसद संजय सिंह और मंत्री सौरभ भारद्वाज ने दावा किया कि आनंद जल्द ही भाजपा में शामिल होंगे।

नवंबर में आनंद के घर पड़ा था ईडी का छापा

2021 के चुनावों की हकीकत कनाडा के जांच आयोग ने बताई

ट्रूडो के उड़े होशः जांच आयोग ने कहा भारत नहीं चीन ने किया था हस्तक्षेप

एजेंसी ▶▶ टोरंटो

कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के उस समय होश उड़ गए जब उन्ही के देश ने अपनी रिपोर्ट में स्पष्ट कर दिया कि कनाडा में हुए 2021 के चुनाव में भारत का कोई हस्तक्षेत नहीं था। भारत में बे म त ल ब शक किया ग या । हकीकत तो यह है कि इस पूरे मामले में चीन का हाथ है। आयोगी की रिपोर्ट में साफ कहा गया है कि जस्टिन ट्रूडो द्वारा जीते गए 2021 के चुनावों में भारत ने नहीं, बल्कि चीन ने हस्तक्षेप किया था। यह रिपोर्ट इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि वह कनाडा की एजेंसियों ने ही तैयार की है। ऐसे में जस्टिन ट्रूडो को अब अपने आरोपों पर कुछ तो शर्म जरूर आ रही होगी, जो भारत पर बेबुनियाद तौर पर आशंका जाहिर कर रहे थे।

कनाडा में 2021 के चुनाव मे प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने भारत पर बेबुनियाद आरोप लगाते हुए कहा था कि चुनावों में भारत हस्तक्षेप कर रहा है। जांच आयोग ने इस मामले की जांच की तो पता चला कि भारत नहीं चीन का हाथ है।

रिपोर्ट के बाद विपक्ष ने ट्रूडो को घेरा

खास बातें

- बेबुनियाद आरोप लगाने वाले पीएम जस्टिन ट्रूडो हुए शर्मसार
- कनाडा के अधिकारियों ने कहा-भारत पूरी तरह बेदाग

विपक्ष के दबाव में गठित हुई थी जांच

विपक्षी विधायकों के दबाव के बाद जस्टिन ट्रूडो ने विदेशी हस्तक्षेप पर एक जांच आयोग का गठन किया था। इसमें चीन की संभावित भूमिका पर रिपोर्ट आने से ट्रूडो नाखुश हैं। पहले आरोप लगाया गया था कि भारत ने 2021 के इस चुनाव में हस्तक्षेप का प्रयास किया था, जिसे जस्टिन ट्रूडो ने 2021 में जीता था। मगर चुनावों की निगरानी करने वाले कनाडाई अधिकारियों के एक पैनल ने ऐसे आरोपों को खारिज कर दिया। हालांकि इसमें यह बात सामने आई कि 2019 और 2021 में हुए चुनावों में भारत ने नहीं, बल्कि चीन ने हस्तक्षेप किया था।

निज्जर मामले में कनाडा लगा चुका है भारत पर आरोप

पिछले साल सितंबर में कनाडाई प्रधानमंत्री ट्रूडो ने हाउस ऑफ कॉमन्स में अपने भाषण के दौरान खालिस्तानी नेता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत का हाथ होने का आरोप लगाया था। इस आरोप ने दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों पर एक महत्वपूर्ण असर डाला है। दोनों देशों ने वरिष्ठ राजनयिकों को निष्कासित कर दिया था और भारत ने कुछ समय के लिए वीजा संचालन रोक दिया था। तब से, दोनों देशों के विदेश मंत्रियों ने कई मौकों पर मुलाकात की, लेकिन राजनयिक क्षेत्र में बहुत कम प्रगति देखी गई है।

कनाडा के अधिकारियों ने भारत को दी क्लीन चिट

आरोपों की जांच पूरी होने पर अब खबर आई है कि जांच में शामिल अधिकारियों को भारत का कोई एंगल नहीं मिला, लेकिन, जांच के नतीजों में पाया गया कि पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना (पीआरसी) ने चुनावों को प्रभावित किया था। उम्मीद थी कि प्रधान मंत्री जस्टिन ट्रूडो एक सरकारी वकील के सामने पेश होंगे। एक चुनाव अधिकारी ने जांच पैनल को बताया, मुझे नहीं लगता कि अभियान में उन उपकरणों का उपयोग करने वाली भारत सरकार के खिलाफ कोई सबूत है। वहीं भारत भी कनाडा के चुनावों में अपने किसी भी हस्तक्षेप के आरोप को खारिज कर चुका है।

कनाडा भारतीय मामलों में करता है हस्तक्षेप

यह रिपोर्ट सामने आने के बाद भारतीय विदेश मंत्रालय ने ट्रूडो पर वार किया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने कहा- हमने मीडिया रिपोर्टें देखी हैं, कनाडाई आयोग विदेशी हस्तक्षेपों की जांच कर रहा है... हम कनाडाई चुनावों में भारतीय हस्तक्षेप के ऐसे निराधार आरोपों को दृढ़ता से खारिज करते हैं। अन्य देशों की लोकतांत्रिक प्रक्रिया में हस्तक्षेप करना भारत सरकार की नीति नहीं है। इसके विपरीत, यह कनाडा है, जो हमारे आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप कर रहा है। गौरतलब है कि नवीनतम निष्कर्ष ऐसे समय में आए हैं जब ट्रूडो द्वारा नई दिल्ली के खिलाफ लगाए गए आरोपों के बाद भारत और चीन के बीच संबंध एक नए निचले स्तर पर पहुंच गए हैं।

बाइडेन ने इजराइली पीएम को लगाई फटकार

बोले- नेतन्याहू बहुत बड़ी गलती कर रहे हो

गाजा में ईद पर भूख भारी... खुशी के त्योहार पर भी बरस रही बारूद

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

गाजा में भूख ईद-उल-फितर उत्सव पर भूख भारी है और खुशी के त्योहार पर भी बारूद बरस रहे हैं। रमजान का महीना तो बम धमाकों में गुजरा है, लेकिन ईद भी सुकून नहीं ला पाई है। गाजा में बच्चे भूख से मर रहे हैं। इससे खफा अ मे रि की राष्ट्रपति जो बाइडेन ने गाजा में युद्ध से निपटने के लिए प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के तरीके को फटकार लगा दी। उन्होंने गाजा में मानवीय सहायता पहुंचने की बात भी कही। जिससे इजराइल पर गाजा युद्ध को रोकने का दबाव काफी बढ़ गया है। वहां के हालात बदतर हो गए हैं, जिसकी वजह से अमेरिका और इजराइल के बीच में दूरी आ गई है।

संघर्ष विराम पर सहमत हो इजराइल

बाइडेन ने मदद पहुंचाने वाले ग्रुप वर्ल्ड किचन सेंटर के काफिले पर हमले के दो दिन बाद 3 अप्रैल को आयोजित एक साक्षात्कार में बताया कि इजराइली प्रधानमंत्री जो कर रहे हैं, वो सही नहीं है। बाइडेन ने कहा कि इजराइल को संघर्ष विराम पर सहमत होना चाहिए, संकट से जूझ रहे गाजा को अगले छह से आठ सप्ताह के लिए सहायता मिलनी चाहिए और क्षेत्र के अन्य देशों को सहायता वितरित करने में मदद करने की अनुमति देनी चाहिए।

इजराइल के हमले से गाजा पट्टी बर्बाद

पिछले 6 महीने में इजराइली हमले ने गाजा पट्टी को बर्बाद कर दिया है। जिससे बाइडेन प्रशासन ने इजराइल के साथ और ज्यादा सख्त रुख अपनाया है। कई सहयोगी देशों ने अब खुलकर इजराइल का विरोध करना शुरू कर दिया है। बाइडेन ने इजराइल के प्रधानमंत्री को चेतावनी दी है और कहा है कि इजराइली हमला, गाजा में अकाल के लिए जिम्मेदार है। वह जो कर रहे हैं, वह एक गलती है।

आयरलैंड के नए पीएम चुने गए साइमन हैरिस

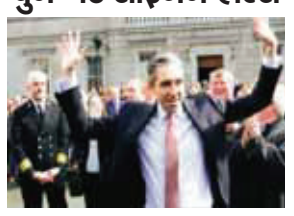

डबलिन। आयरलैंड में देश की सत्तारूढ़ फाइन गेल पार्टी ने साइमन हैरिस को नया प्रधानमंत्री चुना है। सांसद साइमन हैरिस मंगलवार को संसद में मतदान के जरिए आयरलैंड के नए प्रधानमंत्री चुने गए। महज 37 साल की उम्र में आयरलैंड का पीएम बन हैरिस ने नया रिकॉर्ड बना दिया है। हैरिस ने आयरलैंड की तीन दलों की गठबंधन सरकार के प्रमुख के रूप में लियो वराडकर की जगह ली है। वराडकर ने पिछले महीने अपने पद से इस्तीफा देने की घोषणा की थी। वराडकर की सरकार में हैरिस उच्च शिक्षा मंत्री थे।

मुख्य विपक्षी पार्टी का दावा

मालदीव में चीन अपना सीक्रेट नौसैनिक अड्डा कर रहा तैयार

एजेंसी ▶▶ माले

हिंद महासागर में रणनीतिक बढ़त हासिल करने के एजेंडे के तहत क्या चीन ने मालवीद में एग्रीकल्चर प्रोजेक्ट की आड़ में सीक्रेट नौसैनिक अड्डा बनाने का काम शुरू कर दिया है। चीन शायद कृषि परियोजना की आड़ में मालदीव में गुप्त रूप से नौसैनिक अड्डा बनाने के मौके पर नजर गड़ाए हुए है। विपक्षी पार्टी मालदीवियन डेमोक्रेटिक पार्टी के अध्यक्ष फैयाज इस्माइल ने दावा किया है कि चीन, उथुरु-थिला-फाल्हू एटोल पर एक सैन्य परियोजना पर काम कर सकते हैं।

मालदीव में चीन का सीक्रेट नौसैनिक अड्डा!

फैयाज इस्माइल ने दावा किया है कि पिछले महीने 28 मार्च को चीन हार्बर इंजीनियरिंग कंपनी ने मालदीव औद्योगिक विकास मुक्त क्षेत्र के साथ एक समझौता किया है। जिसने श्रीलंका में घाटे में चल रहे हंबनटोटा बंदरगाह को 99 सालों के लिए लीज पर ले लिया है। ये भारत के लिए खतरा हो सकता है।

खबर संक्षेप

ईद पर पाक का चीन को तोहफा, हो गया शांत

इस्लामाबाद। ईद के मौके पर पाकिस्तान ने चीन को सुरक्षा का तोहफा दिया है। मार्च महीने में खैबर पख्तूनवा के सांगला इलाके में चीनी इंजीनियरों पर हुए आतंकवादी हमले पर ड्रैगन के कड़े रुख को देखते हुए पाक प्रशासन ने खुफिया एजेंसी आईएसआई को आरोपों से बचाने के लिए हमले की सारी लापरवाही का ठीकरा अपने बड़े पुलिस अफसर पर ठोक दिया है। जांच के बाद पाक ने 5 अधिकोरियों को सस्पेंड कर दिया।

दुनिया को अहसास करा रही यूएस नेतृत्व की स्थिति

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन से व्हाइट हाउस में पूछा गया कि क्या दुनिया में अमेरिकी नेतृत्व की स्थिति कमजोर हो रही है। सुलिवन ने कहा कि मुझे लगता है कि अगर आप दुनिया के प्रमुख क्षेत्रों में अमेरिका की भूमिका और उसके संबंधों को देखें, तो हम अपनी स्थिति को देखकर अच्छा महसूस करते हैं।

नेपाल में फिर उठी हिंदू राष्ट्र की मांग

प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतरे कहा- देश में राजशाही लौटे

एजेंसी ▶▶ काठमांडू

नेपाल में एक बार फिर से हिंदू राष्ट्र की मांग तेज हो गई है। राजधानी काठमांडू की सड़कों पर सैकड़ों प्रदर्शनकारी इसके लिए नारे लगा रहे हैं। वे देश में फिर से राजशाही लागू करने की मांग कर रहे हैं। बुधवार को सैकड़ों प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतरे। वे प्रधानमंत्री ऑफिस और दूसरी सरकारी कार्यालयों तक पहुंचने की कोशिश कर रहे थे। इस दौरान उनकी पुलिस के साथ झड़प भी हुई। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए बांस-बल्लों, आंसू गैस और पानी की बौछारों का इस्तेमाल किया। यह प्रदर्शन नेपाल की राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी के नेतृत्व में हो रहा था। इस दौरान लोगों ने नारे लगाते हुए कहा कि हम अपने देश और राजा से अपनी जान से ज्यादा प्यार करते हैं। गणतंत्र को खत्म कर राजशाही वापसी होनी चाहिए।

फोर्ब्स ने जारी की ताकतवर देशों की लिस्ट

2024 में 'दुनिया' के दस सबसे ताकतवर देश में अमेरिका टॉप पर, भारत 12वें स्थान पर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

फोर्ब्स ने इस साल के दुनिया के सबसे ताकतवर देशों की सूची जारी की है। इसमें 10 सबसे ताकतवर देश हैं। यह रैंकिंग उनकी वैश्विक स्थिति और असर की बड़ी जांच के बाद दी जाती है। हर देश की शक्ति कई पहलुओं में उसकी शक्ति का संकेत देती है। भारत 12वें स्थान पर है।

अमेरिका: *अमेरिका वैश्विक महाशक्ति, प्रौद्योगिकी, वित्त और मनोरंजन में अग्रणी है। अमेरिका तकनीकी कंपनियों का घर है।*

चीन: *चीन दूसरे स्थान पर है। चीन विशेष रूप से कृत्रिम बुद्धिमत्ता और 5जी में महत्वपूर्ण तकनीकी प्रगति कर रहा है।*

रूस: *रूस अपने विशाल प्राकृतिक संसाधनों और सैन्य क्षमताओं से वैश्विक भूराजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।*

जर्मनी: *जर्मनी यूरोपीय संघ की हरित ऊर्जा पहल में अग्रणी है।*

ब्रिटेन: *लंदन स्टार्टअप के लिए एक केंद्रीय केंद्र है।*

दक्षिण कोरिया: *दक्षिण कोरिया प्रौद्योगिकी और नवाचार में वैश्विक नेता बना हुआ है।*

फ्रांस: *फ्रांस अपने डिजिटल परिवर्तन और हरित ऊर्जा पहल पर ध्यान केंद्रित कर रहा है।*

जापान: *जापान अपनी कारों और इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण के लिए जाना जाता है।*

सऊदी अरब: *पेट्रोलियम उत्पादन सऊदी अरब की संपत्ति है। इसके पास दुनिया का 17 प्रतिशत कच्चा तेल भंडार है।*

संयुक्त अरब अमीरात: *यूएई अपने अंतरिक्ष कार्यक्रम पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। यूएई वैश्विक तेल उद्योग में भी एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी है।*

भारत के हैं बड़े समर्थक

अमेरिकी सांसद शरमन ने की पीएम मोदी की प्रशंसा

एजेंसी ▶▶ वाशिंगटन

अमेरिका के एक वरिष्ठ सांसद ने भारत में 2014 से हुई आर्थिक प्रगति एवं विकास कार्यों के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रशंसा की है। सांसद ने कहा कि पीएम मोदी भारत का चेहरा बन गए हैं।

अमेरिकी संसद में भारत के बड़े समर्थकों में से एक माने जाने वाले ब्रैड शरमन ने कहा कि भारत और अमेरिका ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत होते देखा है। ब्रैड शरमन ने कहा कि रूस के साथ भारत के रक्षा संबंध, भारत और अमेरिका के संबंधों के लिए एक चुनौती हैं। बेशक, हर देश की अपनी चुनौतियां होती हैं, हर नेता की अपनी चुनौतियां होती हैं। मैं किसी देश की सफलता का श्रेय केवल एक नेता को नहीं देता। मेरा मतलब है कि आपके पास 1.3 अरब से अधिक लोग हैं और वो सभी भारत को और अधिक सफल देश बनाने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं।

चाबहार के बाद चीन के दोस्त म्यांमार से हुई बड़ी डील

विदेशी धरती पर भारत को मिला एक और बंदरगाह पर अधिकार

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

ईरान के बाद भारत को विदेश धरती पर एक और बंदरगाह ऑपरेट करने का अधिकार हासिल हो गया है। ये देश, चीन का दोस्त रहा है। भारत ने ईरान में चाबहार बंदरगाह के बाद म्यांमार के सिटवे पोर्ट में अपना दूसरा विदेशी बंदरगाह संचालित करने का अधिकार सुरक्षित कर लिया है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने कालादान नदी पर स्थित पूरे बंदरगाह के संचालन को संभालने के लिए इंडिया पोर्ट्स ग्लोबल (आईपीजीएल) के एक प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

म्यांमार में भारत के अधिकार में आया बंदरगाह

इंडिया पोर्ट्स ग्लोबल लिमिटेड, जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट और दीनदयाल पोर्ट ट्रस्ट के बीच एक संयुक्त उद्यम है। इसे विदेशों में बंदरगाहों के विकास के लिए शिपिंग मंत्रालय के निर्देशों के अनुसार कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत जनवरी 2015 में बनाया और शामिल किया गया था।

पिछले साल हुआ था सिटवे बंदरगाह का उद्घाटन

पिछले साल मई में केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल और म्यांमार के उपप्रधानमंत्री एडमिरल टिन आंग सान ने संयुक्त रूप से सिटवे बंदरगाह का उद्घाटन किया था और पहले भारतीय मालवाहक जहाज का स्वागत किया था। म्यांमार और चीन के बीच काफी अच्छे संबंध हैं, खासकर म्यांमार में सैन्य शासन स्थापित होने के बाद म्यांमार में चीन ने काफी घुसपैठ की है। म्यांमार के सैन्य शासन को चीन का आशीर्वाद मिला है और ऐसी रिपोर्ट है, कि म्यांमार अपना एक द्वीप, चीन को सैन्य अड्डा बनाने के लिए भी दे सकता है। जो भारत के लिए खतरा साबित हो सकता है।

यह लिंक बनेगी वैकल्पिक मार्ग

यह लिंक न सिर्फ पूर्वोत्तर राज्यों में माल भेजने के लिए एक वैकल्पिक मार्ग प्रदान करेगा, बल्कि कोलकाता से मिजोरम और उससे आगे तक सामान ढोने में होने वाली लागत और दूरी को भी काफी कम कर देगा। इससे सिलीगुड़ी कॉरिडोर पर निर्भरता भी कम हो जाएगी, जिसे चिकन नेक के नाम से जाना जाता है, जो भूटान और बांग्लादेश के बीच स्थित है।

जे-20 स्टील्थ उतारा

लद्दाख के पास चीनी हॉटन एयरबेस का दूसरा रनवे भी हुआ एक्टिवेट

एजेंसी ▶▶ बीजिंग

लद्दाख की सीमा के पास चीन ने अपनी आक्रामकता को काफी ज्यादा बढ़ा दिया है। चीन ने हाल ही में भारत के पूर्वी लद्दाख क्षेत्र के पास स्थित हॉटन एयर बेस पर अपना दूसरा रनवे सक्रिय कर दिया है। रिपोर्ट विश्लेषक डेमियन साइमन ने दी है।

एलएसी पर चीन बढ़ा सकता है सैन्य गतिविधियां

भारत के कुछ डिफेंस एक्सपर्ट्स का कहना है कि इस रनवे का निर्माण कार्य पूरा होने के बाद चीन इस क्षेत्र में और भी ज्यादा आसानी से सैनिकों और हथियारों की तैनाती कर सकता है, जिससे क्षेत्र में तनाव और भी ज्यादा बढ़ेगा। इसके अलावा, नए हॉटन रनवे के साथ नए एप्रन और सैन्य भवन भी बनाए गए हैं। इस पर भारत के लेफ्टिनेंट जनरल राकेश शर्मा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा है कि हॉटन एयरबेस, टकलामकन रेगिस्तान के तारिम बेसिन में है।

धवन बोले, हम शुरुआती ओवरों का लाभ नहीं उठा पाने के कारण हारे

मोहाली । पंजाब किंग्स के कप्तान शिखर धवन ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ आईपीएल मुकाबले में दो रनों से मिली हार पर निराशा जताते हुए कहा कि हम शुरुआती ओवरों से लाभ नहीं उठा पाये। इस मैच में शशांक सिंह और आशुतोष शर्मा ने अंतिम ओवरों में आक्रामक बल्लेबाजी कर अपनी टीम को जीत के करीब पहुंचा दिया पर इसके बाद भी टीम 2 रनों से हार गयी। इस मैच में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करते हुए पंजाब ने सनराइजर्स हैदराबाद की आधी टीम 100 रन पर ही पेवेलियन भेज दी पर नितीश रेड्डी ने अर्धशतकीय पारी खेलकर टीम को 182 रनों तक पहुंचा दिया। . इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए पंजाब की टीम भी लड़खड़ा गयी पर शशांक नाबाद 46 रन और आशुतोष नाबाद 33 रन ने काफी अच्छा प्रयास किया। धवन ने कहा, ''शंशाक और आशुतोष ने अच्छी पारियां खेलीं। हम पहले छह ओवरों का फायदा नहीं उठा सके और यहीं से मैच हमारे हाथ से फिसल गया।'' वहीं सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान पैट कमिंस ने कहा, ''यह अच्छा मैच रहा। उन्होंने शुरू में काफी अच्छी गेंदबाजी की। हमने भी 182 रन बनाकर अच्छा प्रदर्शन किया और फिर इसका बचाव किया।''

बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में भारत को सिंधु, लक्ष्य ओर प्रणय से रहेंगी उम्मीदें

मुम्बई ।

चीन में होने वाले बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में भारत की महिला बैडमिंटन स्टार पी वी सिंधु के अलावा लक्ष्य सेन, एच एस प्रणय भी पदक दावेदार होंगे। इस टूर्नामेंट में सिंधु सहित भारतीय खिलाड़ियों की राह आसान नहीं रहेगी क्योंकि उन्हें कई बेहतरीन खिलाड़ियों का सामना करना पड़ेगा। इस टूर्नामेंट में भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की युगल जोड़ी भाग नहीं लेगी। ऐसे में भारत को पदक की उम्मीदें सिंधु के अलावा लक्ष्य और प्रियांशु राजावत पर रहेंगी।

सिंधु को इस टूर्नामेंट में ओलंपिक चैंपियन यूफेई, ताइ जु यिंग, अकाने यामागुची और ही बिंगजियाओ जैसी शीर्ष खिलाड़ियों से खेलने का अवसर मिलेगा। सिधु अपना पहला मुकाबला मलेशिया की विश्व की 33वें नंबर की खिलाड़ी गोह जिन वेई के खिलाफ करेंगी। इस मुकाबले में जीत दर्ज करने पर उन्हें चीन की छठी वरीय हेन युई से खेलना पड़ेगा। वहीं तीसरे दौर में सिंधु का मुकाबला जापान की यामागुची या थाईलैंड की रतचानोक इंतानोन से हो सकता है। वहीं भारत की ही आकर्षी कश्यप को पहले दौर में थाईलैंड की बुसानन ओंगबामरुंगफान से खेलना है।

वहीं पुरुष एकल में भारत के लक्ष्य सेन को पहले ही दौर में शीर्ष वरीय शी युकी से खेलना है जबकि सातवें वरीयता प्राप्त एचएस प्रणय अपना अभियान ल्यू

गुआंग झू के खिलाफ शुरू करेंगे। इसके अलावा विश्व के 27वें नंबर के खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत का मुकाबला विश्व दुनिया के तीसरे नंबर के खिलाड़ी और दूसरे वरीय एंथोनी गिनटिंग से होगाहै। युवा भारतीय खिलाड़ी प्रियांशु राजावत को पहले दौर में मलेशिया के ली जी जिया से भिड़ना है। युगल वर्ग में एमआर अर्जुन और ध्रुव कपिला तथा कृष्ण प्रसाद गारगा और साई प्रतीक के पुरुष युगल में चुनौती पेश करेंगे।

महिला युगल में तनीषा क्रास्टो और अश्विनी पोनप्पा को फेब्रियाना द्विपुजी कुसुमा और अमालिया कहाया प्रतिवी की इंडोनेशिया की जोड़ी से खेलना है।

आईपीएल में आज होगा आरसीबी और मुंबई इंडियंस का मुकाबला

मुम्बई ।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) और मुंबई इंडियंस के बीच गुरुवार को यहां आईपीएल 2024 में अहम मुकाबला होगा। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत के लिए पूरा जोर लगा देंगी। अब तक दोनो ही टीमें इस सत्र में विफल रही हैं। दोनो ने ही अब तक एक-एक मैच ही जीता है। आरसीबी पांच में से चार मैच हारी है। आरसीबी की हार का कारण उसके बल्लेबाजों और गेंदबाजों का कमजोर प्रदर्शन रहा है। बल्लेबाजी में विराट कोहली ने अब तक इस सत्र में सबसे अधिक रन बनाये हैं और वह ऑरेंज कैच के सबसे बड़े दावेदार हैं पर अन्य बल्लेबाज विफल रहे हैं। इसके अलावा गेंदबाज भी प्रभावी नहीं रहे हैं। वहीं दूसरी ओर मुम्बई की हालत भी ठीक नहीं है। उसे शुरुआती चार मैचों में से केवल एक में जीत मिली है। वह अंकतालिका में आरसीबी से एक स्थान ऊपर है। इसके अलावा उसे घरेलू मैदान का भी लाभ मिल सकता है। उसने पिछले मैच में दिल्ली कैपिटल्स को 29 रन से हराया था जिससे उसका मनोबल बढ़ा है।वहीं आरसीबी के विदेशी खिलाड़ियों ने भी निराश किया है। कप्तान फाफ डु प्लेसी 109 रन, ग्लेन मैक्सवेल 32 और कैमरन ग्रीन ने अबतक 68 रन ही बनाये हैं केवल विराट ही अभी तक एक शतक और दो अर्धशतक लगाकर 316 रन बना चुके हैं लेकिन उन्हें दूसरे छोर से साथ नहीं मिल सका । विराट ने इसी मैदान पर एकदिवसीय विश्वकप में शतक लगाया था और उसी प्रदर्शन को वह दोहराना चाहेंगे। गेंदबाजी में मैक्सवेल ने चार विकेट ले चुके हैं पर मुख्य गेंदबाज प्रभावहीन रहे हैं। आंकड़ों पर नजर डालें तो दोनों टीमों के बीच अब तक हुए 32 मुकाबलों में से 18 मुंबई ने और 14 आरसीबी ने जीते हैं। आम तौर पर आईपीएल में धीमी शुरूआत करने वाली मुंबई टीम को पता है कि अब देर करने से विपरीत परिणाम हो सकते हैं। ऐसे में वह आक्रामक रुख अपनाकर आरसीबी को हराने के इरादे से उतरेगी। इसके लिए उसके खिलाड़ियों को अपना शीर्ष स्तर का प्रदर्शन करना होगा। शीर्षक्रम में अबतक ईशान किशन और रोहित शर्मा ने ही रन बनाये हैं पर मध्यक्रम विफल रहा है। कप्तान हार्दिक पंड्या का भी प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। पिछले मैच में जीत से हालांकि उनका मनोबल बढ़ा हुआ है जिसका लाभ उन्हें इस मैच में मिलेगा। पिछले मैच में सूर्यकुमार यादव की वापसी हुई थी पर वह रन नहीं बना पाये थे। इस मैच् में वह भी बड़ी पारी खेलना चाहेंगे।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं:

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर : फाफ डु प्लेसी (कप्तान), ग्लेन मैक्सवेल, विराट कोहली, रजत पाटीदार, अनुज रावत, दिनेश कार्तिक, सुयश प्रभुदेसाई, विल जैक्स, महिपाल लोमरोर, कर्ण शर्मा, मनोज भंडागे, मयंक डागर, विजयकुमार

विशक, आकाश दीप। मोहम्मद सिराज, रीस टॉपले, हिमांशु शर्मा, राजन कुमार, कैमरून ग्रीन, अल्ज़ारी जोसेफ, यश दयाल, टॉम कुरेन, लॉकी फर्ग्यूसन, स्वप्निल सिंह, सौरव चौहान।

मुंबई इंडियंस: हार्दिक पंड्या (कप्तान), रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, डेवाल्ड ब्रेविस, जसप्रीत बुमराह, पीयूष चावला, जेराल्ड कोएत्ज़ी, टिम डेविड, श्रेयस गोपाल, ईशान किशन (विकेटकीपर), अंशुल कंबोज, कुमार कार्तिकेय, आकाश मधवाल, क्वेना मफाका , मोहम्मद नबी, शम्स मुलानी, नमन धीर, शिवालिक शर्मा, रोमारियो शेफर्ड, अर्जुन तेंदुलकर, नुवान तुषारा, तिलक वर्मा, विष्णु विनोद, नेहल वढेरा, ल्यूक वुड।

एफआईएच हॉकी प्रो लीग के लिए अभ्यास कर रही है भारतीय महिला हॉकी टीम : क्रूज

बेंगलुरु ।

भारतीय महिला हॉकी टीम के हाई परफॉर्मेंस निदेशक हरमन क्रूज ने कहा है इस साल टीम को कई बड़ी टीमों से खेलना है और इसी को देखते हुए आजकल टीम बेंगलुरु स्थित भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के शिविर में अभ्यास कर रही है। इस शिविर में 33 सदस्यीय खिलाड़ी शामिल हैं और ये शिविर अगले माह 16 मई तक चलेगा।

इसके अलावा टी अन्य कोचिंग शिविरों और अंतरराष्ट्रीय दौरों में भी शामिल होगी। भारतीय टीम इस साल एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2023-24 में अर्जेंटीना, बेल्जियम, जर्मनी और ब्रिटेन के साथ एंटवर्प और लंदन में भी खेलेगी। हरमन क्रूज ने कहा कि 14वीं सीनियर हॉकी महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप के आधार पर देश भर से हमने जिन सर्वश्रेष्ठ हॉकी खिलाड़ियों को शिविर में बुलाया है उन्हीं में से टीम का चान होगा।

उन्होंने कहा कि पिछले सप्ताह कोच और चयनकर्ताओं ने भारतीय महिला हॉकी टीम को शीर्ष तक ले जाने की क्षमता वाले 33 खिलाड़ियों का चयन किया है। ऐसे में अब हमारे पास एक काफी अच्छी टीम है।

टीम इस प्रकार है:-

गोलकीपर:- सविता, बिचू देवी खारिबाम, बंसारी सोलंकी और माधुरी किंडो।

डिफेंडर:- निक्की प्रधान, उदिता, इशिका चौधरी, मोनिका, रोपनी कुमारी, महिमा चौधरी, ज्योति छत्री और प्रीति।

मिडफील्डर:- सलीमा टेटे, मरीना लालरामनघाकी, वैष्णवी विट्ठल फाल्के, नेहा, ज्योति, एडुला ज्योति, बलजीत कौर, मनीषा चौहान, अक्षता अबासो ढेकाले, अजमीना कुजूर और निशा।

फॉरवर्ड :- मुमताज खान, लालरेम्सियामी, संगीता कुमारी, दीपिका, शर्मिला देवी, नवनीत कौर, दीपिका सोरेंग, प्रीति दुबे, वंदना कटारिया और रुतुजा दादासो पिसल।

धोनी ने अफगानिस्तान के क्रिकेटर गुरबाज को बल्ला भेंट किया

नई दिल्ली ।

भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी ने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की ओर से आईपीएल में खेल रहे अफगानिस्तान के बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज को एक बल्ला भेंट किया है। गुरबाज इस बल्ले को पाकर बेहद खुश हैं क्योंकि इसमें धोनी के हस्ताक्षर हैं। गुरबाज सोमवार को आईपीए 2024 में चेपॉक में गत चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ मैच में भी नहीं खेल नहीं पाए थे। इस मैच के बाद वह धोनी से मिले थे। गुरबाज ने ड्रेसिंग रूम में धोनी के साथ अपनी मुलाकात की एक तस्वीर भी सोशल मीडिया पर जारी की है। एक तस्वीर में गुरबाज को मुस्कुराते हुए देखा गया क्योंकि धोनी ने उन्हें अपने हस्ताक्षर वाला बल्ला जो दिया है। गुरबाज ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में धोनी की कही बातों को साझा किया। अतीत के बारे में चिंता करना बंद करो। भविष्य के बारे में सोचना बंद करो। बस वर्तमान में जियो और खुश रहो। गुरबाज को अभी तक आईपीएल 2024 में एक भी मैच खेलने को नहीं मिला है। आईपीएल के इस संस्करण में केकेआर को पहली हार धोनी की टीम सीएसके से ही मिली है। केकेआर 6 अंकों के साथ आईपीएल में दूसरे जबकि सीएसके छह अंकों के साथ चौथे स्थान पर है।

टी20 विश्व कप के लिए विराट को शामिल करना जरुरी : लारा

बेंगलुरु ।

वेस्टइंडीज के दिग्गज बल्लेबाज रहे ब्रायन लारा ने कहा है कि विराट कोहली को टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम में शामिल किया जाना चाहिये। लारा ने कहा कि विराट को धीमे स्ट्राइक-रेट के नाम पर बाहर किये जाने की जो बातें की जा रही हैं। उनका कोई मतलग मुझे नजर नहीं आता है क्योंकि स्ट्राइक-रेट ही सब कुछ नहीं है। विराट की उपयोगित उससे बढ़कर है। वह अंत तक बल्लेबाजी कर रन बनाने के साथ ही पारी को संभालने में सक्षम हैं। विराट पर आईपीएल में धीमें स्ट्राइक-रेट के आरोप लगे हैं। उन्होंने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 67 गेंदों में शतक बनाया। लारा ने कहा कि स्ट्राइक-रेट बल्लेबाजी क्रम पर पर निर्भर करता है, और एक सलामी बल्लेबाज के लिए 130-140 का स्ट्राइक-रेट खराब नहीं कहा जा सकता है। वहीं अगर आप मध्यक्रम में आ रहे हैं तो आपको 150 या 160 के स्ट्राइक-रेट से रन बनाने की जरुरत होती है। जैसा कि आपने आईपीएल के इस सत्र में देखा है। बल्लेबाज एक पारी के अंतिम ओवरों में ही 200 के स्ट्राइक-रेट से रन बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि कोहली जैसा सलामी बल्लेबाज आम तौर पर 130 के स्ट्राइक-रेट से पारी ि शुरुआत करता है और फिर उसके पास 160 की स्ट्राइक रेट के साथ पारी समाप्त करता है जो कम नहीं है। लारा ने कहा कि टी20 विश्व कप में भारतीय टीम के लिए कोहली और रोहित के साथ पारी की शुरुआत सबसे बेहतर रहेगी हालांकि एक अनुभवी खिलाड़ी के साथ एक युवा को भी उतारा जा सकता है। उन्होंने कहा कि अगर अनुभवी खिलाड़ी अगर जल्दी आउट हो जाते है तो इससे टीम पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। इसलिए मैं रोहित और विराट में से एक को शीर्ष क्रम और दूसरे को तीसरे क्रम पर इस्तेमाल करना चाहूंगा। वहीं युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को लेकर उन्होंने कहा कि टी20 विश्व कप के लिए टीम का चयन होना है और ऐसे में

उन्हें भी अवसर दिया जा सकता है। पारी की शुरुआत करते हुए उसने पिछले कुछ समय में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काफी अच्छा प्रदर्शन किया है।

संक्षिप्त समाचार

ऋषभ टी20 विश्वकप के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज की दौड़ में सबसे आगे

नई दिल्ली । आईपीएल के बाद जून में होने वाले टी20 विश्वकप के लिए भारतीय टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज की दौड़ में ऋषभ पंत सबसे आगे हैं। ऋषभ ने जिस प्रकार दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी करते हुए आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए रन बनाने के साथ ही विकेटीपिंग में भी अपना कौशल दिखाया है उससे भी उनकी दावेदारी मजबूत हुई है। ऋषभ ने अब तक दो अर्धशतक लगाने के साथ ही एक मैच में कोलकाता के खिलाफ एक ओवर में लगाए 28 रन बनाये थे। इसके अलावा विकेटकीपिंग करते हुए उन्होंने बेहतरीन कैच भी पकड़े हैं। इस बल्लेबाज ने करीब 14 माह बाद मैदान में वापसी करते हुए दिखाया है कि उसका अंदाज अब भी पहले वाला है। इसके पीछे उसका अपनी फिटनेस पर ध्यान देना रहा है। वहीं केएल राहुल और ईशान किशन के अलावा युवा ध्रुव जुरेल भी विकेटकीपर बल्लेबाज के लिए दौड़ में हैं। आईसीसी टी20 विश्व कप का आयोजन संयुक्त रुप से अमेरिका और वेस्टइंडीज में होगा। ये 1 जून से 29 जून के बीच होगा। इसके लिए सभी टीम को 15 मई तक खिलाड़ियों के नाम आईसीसी के पास भेजने होंगे। टीम इंडिया के चयन के लिए मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर की अध्यक्षता वाली कमेटी की बैठक इस माह के अंत में हो सकती है

सनराइजर्स के ऑलराउंडर नीतीश ने बनाया रिकार्ड

50 से अधिक रन , एक विकेट और एक कैच लेने वाले पहले अनकैप्ड खिलाड़ी बने

मोहाली । सनराइजर्स हैदराबाद के ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 में पंजाब किंग्स के खिलाफ हुए मैच में एक अहम रिकार्ड अपने नाम किया है। नीतीश ने इस मैच में खेल के सभी क्षेत्रों में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने जहां बल्लेबाजी के दौरान 37 गेंदों में शानदार 64 रन बनाए। वहीं गेंदबाजी के दौरान जितेश शर्मा का विकेट लिया और प्रभसिमरन सिंह को कैच आउट किया। इस प्रकार वह आईपीएल में 50 से अधिक रन बनाने, एक विकेट लेने और एक आईपीएल मैच में कैच लेने वाले पहले अनकैप्ड खिलाड़ी भी बन गए है। 20 साल और 319 दिन की उम्र में वह आईपीएल में अर्धशतक लगाने वाले दूसरे सबसे कम उम्र के खिलाड़ी भी हैं। इससे पहले प्रियम गर्ग ने 19 साल और 307 दिन की उम्र में अर्धशतक लगाया था। जीत के बाद नीतीश ने अपने प्रदर्शन पर खुशी जतायी और कहा कि मेरे लिए यह मेरी टीम और मेरे लिए एक बड़े योगदान की तरह है। तेज गेंदबाज वास्तव में अच्छी गेंदबाजी कर रहे थे, मैं उनसे मुकाबला नहीं करना चाहता था। मुझे पता था कि स्पिनर ऐसा करेंगे। इसलिए मैं उन पर हमला करना चाहता था, मैंने बस वही किया।

टी20 विश्व कप के शिवम की दावेदारी मजबूत हुई : आकाश

मुम्बई । पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने कहा है कि आईपीएल के इस 17 वें सत्र में सीएकसके के ऑलराउडर शिवम दुबे ने शानदार प्रदर्शन किया है। चोपड़ा के अनुसार शिवम ने अपने प्रदर्शन से जून में होने वाले टी20 विश्वकप के लिए मजबूत दावेदारी पेश की है। साथ ही कहा कि अब वह विश्वकप के लिए उनकी अनदेखी नहीं कर सकते हैं। चोपड़ा ने कहा कि केकेआर के खिलाफ जिस प्रकार से इस बल्लेबाज ने 28 रन बनाकर अपनी टीम को जीत दिलायी है। उससे उन्होंने सभी का ध्यान खींचा है। चोपड़ा ने कहा, मुझे विश्वास है कि अब विश्वकप के लिए शिवम की अनदेखी कोई नहीं कर पायेगा। जिस तरह से वह बल्लेबाजी कर रहा है उस पर चयनसमिति को ध्यान देना ही होगा। वहीं कई लोगों का मानना है कि शिवम को खेलने की आजादी टीम ने दी है जिससे वह आक्रामक शॉट लगा रहे हैं पर अंतराष्ट्रीय स्तर पर खेल में काफी दबाव होतो है। इसलिए इस प्रकार से बल्लेबाजी नहीं की जा सकती है। वहीं चोपड़ा ने केकेआर के खिलाफ शिवम की पारी को लेकर कहा कि भारतीय टीम विश्वकप में इस बल्लेबाज की आक्रामक बल्लेबाजी से लाभ उठा सकती है। उन्होंने कहा, आंद्रे रसेल सहित इस मैच में खेलने वाले सभी लोगों को लगा कि इस पिच पर छक्के लगाना बहुत मुश्किल है और यह बहुत बड़ा मैदान है पर शिवम को खेलते हुए देखकर ऐसा नहीं लगा। उन्होंने सही गेंदें चुनी और उन्हें मारा। वह स्पिनरों के साथ ही तेज गेंदबाजों पर भी छक्के लगाता है।

मयंक को अगले एक सप्ताह के लिए आराम मिला

लखनऊ । लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के तेज गेंदबाज मंयक यादव पेट की मांसपेशियों में आये खिंचाव के कारण अभी मैदान में नजर नहीं आयेंगे। मयंक को इस कारण पेट में तेज दर्द हो रहा है। इसी कारण वह गुजरात टाइटंस के खिलाफ अपने तीसरे मैच में भी एक ओवर ही गेंदबाजी कर पाये थे। टीम प्रबंधन के अनुसार अभी उन्हें एक सप्ताह का आराम दिया गया है। सुपर जायंट्स ने अपने एक बयान में कहा कि मयंक के पेट के निचले हिस्से में सूजन बनी हुई है। इसलिए एहतियात के तौर पर हम अगले सप्ताह तक उन्हें आराम दे रहे हैं। उसके बाद डॉक्टरों की सलाह के बाद ही वह मैदान में उतरेंगे। साथ ही कहा कि हम उनकी शीघ्र वापसी की कामना करते हैं। मयंक का बाहर होना टीम के लिए करार झटका है क्योंकि अपने पहले दोनो मैच में इस तेज गेंदबाज ने आईपीएल इतिहास की सबसे तेज गेंदें फेंकीं थीं। इसके अलावा उन्होंने दोनो ही मैचों में अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। इसके बाद से ही मयंक को भारतीय टीम में लेने की भी मांग उठ रही है। लखनऊ को 12 अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ अपना अपना अगला मैच खेलना है जिसमें उन्हें मयंक की कमी महसूस होगी। लखनऊ के लिए इस सीजन की शुरूआत अच्छी नहीं रही थी जब पहले ही मुकाबले में उन्हें राजस्थान रॉयल्स के हाथों 20 रन से हार का सामना करना पड़ा था पर इसके बाद टीम ने लगातार तीन मुकाबले जीतकर वापसी की।

पंजाब की पारी का आकर्षण रही शशांक और आशुतोष की पारियां

मोहाली । सनराइजर्स हैदराबाद और पंजाब किंग्स का मुकाबला आईपीएल 2024 में बेहद रोमांचक रहा। इस मुकाबले में एक पंजाब की ओर से शशांक सिंह और आशुतोष शर्मा के तूफान से एक समय टीम के हाथों में जीत आ गयी थी। टीम को 24 गेंद पर 67 रन बनाने की जरूरत थी और उसके सिर्फ 4 विकेट बाकी थे। ऐसे में शशांक ओर आशुतोष ने आक्रमक बल्लेबाजी कर मैच अपनी ओर मोड़ दिया। इन दोनो ने ही अंतिम 24 गेंद पर 64 रन बनाये। सनराइजर्स हैदराबाद ने ये मैच 2 रन से जीता। शशांक ने 25 गेंदों में छह चौके और एक छक्के की सहायता से 46 रन बनाये जबकि आशुतोष ने 15 गेंदों में तीन चौकों और दो छक्कों की सहायता से नाबाद 33 रन बनाये। आईपीएल 2024 में सनराइजर्स हैदराबाद ने पंजाब किंग्स के खिलाफ पहले बल्लेबाजी की पर उसकी शुरुआत अच्छी नहीं रही। पावरप्ले के पहले ही टीम के शीर्ष तीन बल्लेबाज ट्रेविस हेड, एडेन मार्करम, अभिषेक शर्मा पैवेलियन लौट गये। केवल 39 रन पर टीम ने 3 विकेट खो दिये। इम्पैक्ट प्लेयर राहुल त्रिपाठी भी विफल रहे। राहुल 11 रन बनाकर आउट हुए हालांकि नीतीश कुमार रेड्डी ने शानदार अर्धशतक लगाकर टीम को संभाला। केवल 64 रन पर 4 विकेट गंवाने वाली इस टीम को नीतीश ने 182 के स्कोर तक पहुंचाया। सनराइजर्स हैदराबाद की तरह ही पंजाब किंग्स की भी बल्लेबाजी करते हुए शुरुआत अच्छी नहीं रही। उसने अपने शीर्ष-3 बल्लेबाज शिखर धवन, जॉनी बेयरस्टो और प्रभसिमरन सिंह के विकेट 20 रनों के अंदर ही खो दिये। इसके बाद सैम करेन ने 29 और सिकंदर रजा 28 रन बनाकर पारी संभालने का प्रयास किया। जीतेश शर्मा भी 19 रन ही बना पाये। पंजाब की पारी का आकर्षण शशांक और आशुतोष की साहसिक पारियां रहीं। इन दोनों ने 27 गेंद में 66 रन की बना दिये।

खबर संक्षेप

टाटा मोटर्स की वैश्विक थोक बिक्री आठ प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली। टाटा मोटर्स की वैश्विक थोक बिक्री 31 मार्च 2024 को समाप्त वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में आठ प्रतिशत की सालाना वृद्धि के साथ 3,77,432 इकाई रही। कंपनी ने बुधवार को बयान में कहा कि यात्री वाहन खंड में वैश्विक थोक बिक्री चौथी तिमाही में 15 प्रतिशत वृद्धि के साथ 1,55,651 इकाई रही थी।

जेएलआर इंडिया की बिक्री में 81 फीसदी का इजाफा

नई दिल्ली। टाटा मोटर्स के स्वामित्व वाली जगुआर लैंड रोवर (जेएलआर) की भारत में खुदरा बिक्री बीते वित्त वर्ष (2023-24) में 81 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 4,436 इकाई रही है। जेएलआर इंडिया ने बुधवार को बयान में कहा कि 81 प्रतिशत की सालाना वृद्धि 2009 में भारतीय बाजार में प्रवेश के बाद से कंपनी के बेहतरीन प्रदर्शन में से एक है।

रुपया 12 पैसे की तेजी के साथ 83.19 प्रति डॉलर

मुंबई। विश्व की प्रमुख प्रतिस्पर्धी मुद्राओं की तुलना में डॉलर के कमजोर होने तथा स्थानीय शेयर बाजार के सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंचने के बीच निवेशकों की कारोबारी धारणा में सुधार के चलते अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में बुधवार को रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 12 पैसे की तेजी के साथ 83.19 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ।

सिग्नेचर ग्लोबल का शुद्ध ऋण बढ़कर छह फीसदी

नई दिल्ली। रियल एस्टेट कंपनी सिग्नेचर ग्लोबल का शुद्ध ऋण 2023-24 में छह प्रतिशत बढ़कर 1,160 करोड़ रुपये हो गया। 2022-23 में शुद्ध ऋण 1,090 करोड़ रुपये था। आवासीय परियोजनाओं के विकास के लिए भूमि अधिग्रहण अधिक करने किए जाने से गत वित्त वर्ष में शुद्ध ऋण में इजाफा हुआ।

मुथूट फिनकॉर्प एनसीडी से जुटाएगी 360 करोड़

नई दिल्ली। मुथूट फिनकॉर्प की डिबेंचर के सार्वजनिक निर्गम के जरिये 360 करोड़ रुपये तक जुटाने की योजना है। कंपनी का निर्गम 10 अप्रैल से 25 अप्रैल तक खुलेगा। 'मुथूट लिमिटेड ने कुल 360 करोड़ रुपये की राशि जुटाने के लिए सुरक्षित, विमोच्य, गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर की सोलहवीं किस्त की चौथी श्रृंखला की घोषणा की है।

सोभा लिमिटेड में बिक्री बुकिंग 28 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली। रियल एस्टेट कंपनी सोभा लिमिटेड की वित्त वर्ष 2023-24 में बिक्री बुकिंग सालाना आधार पर 28 प्रतिशत बढ़कर 6,644.1 करोड़ रुपये हो गई। आवासीय संपत्तियों की मजबूत उपभोक्ता मांग इसकी प्रमुख वजह रही। बेंगलुरु स्थित सोभा लिमिटेड की बिक्री बुकिंग वित्त वर्ष 2022-23 में 5,197.8 करोड़ रुपये थी। कंपनी के अनुसार, बिक्री बुकिंग वित्त वर्ष 2023-24 में आठ प्रतिशत बढ़कर 60.8 लाख फुट रही जो वित्त वर्ष 2022-23 में 56.5 लाख वर्ग फुट थी।

इंडिगो एयरलाइन ने रचा इतिहास, बनी दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी एयरलाइन

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय विमानन सेक्टर की दिग्गज कंपनी इंडिगो एयरलाइन्स ने इतिहास रच दिया है। अब इंडिगो एयरलाइन्स दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी एयरलाइन बन गई है। उसने मार्केट कैप के मामले में साउथवेस्ट एयरलाइन्स को पीछे छोड़ दिया है।

- मार्केट कैप के मामले में साउथवेस्ट एयरलाइन्स को पीछे छोड़ दिया

इंडिगो एयरलाइन्स का मार्केट कैप अब 17.6 अरब डॉलर हो चुका है। साउथवेस्ट एयरलाइन्स का मौप 17.3 अरब डॉलर रह गया है। फिलहाल डेल्टा एयरलाइन्स 30.4 अरब डॉलर के मार्केट कैप के साथ दुनिया में पहले नंबर पर और रेयनएयर 26.5 अरब डॉलर मार्केट कैप के साथ दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी एयरलाइन है। कंपनी के शेयर बुधवार को एनएसई और बीएसई पर अच्छा प्रदर्शन कर रहे थे।

शेयरों में जबरदस्त उछाल से इंडिगो का मार्केट कैप हुआ 17.6 अरब डॉलर

एक साल में 10 एयरलाइन्स को पीछे छोड़ा

पिछले एक साल में इंडिगो का प्रदर्शन शानदार रहा है। ग्लोबल मार्केट कैप में एयरलाइन पिछले 12 महीनों में 10 स्थान ऊपर चढ़ चुकी है। पिछले साल मार्च में इंडिगो का स्थान 14वां था। मॉर्गन स्टैनली ने भी कंपनी के स्टॉक के आगे बढ़ने का अनुमान जताया है। इंडिगो इस बीच अपने ऑपरेशंस भी मजबूत करती जा रही है। उसकी प्रति पैसेंजर कमाई भी बढ़ती जा रही है। बुधवार को कंपनी के शेयर एनएसई पर 4 फीसदी से ज्यादा ऊपर चढ़कर 3806 रुपए पर पहुंच गए है। इंडिगो का स्टॉक इस साल लगभग 28 फीसदी ऊपर जा चुका है।

एयर इंडिया की पायलटों को विस्तारा में भेजने की योजना

टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयर इंडिया अपने छोटे आकार के ए320 विमानों के कुछ पायलटों को विस्तारा में भेजने की योजना बना रही है। सूत्रों ने यह जानकारी दी है। विस्तारा पिछले कुछ समय से पायलटों की कमी से जूझ रही है। इन पायलटों को प्रतिनियुक्ति पर भेजा जाएगा। इसके लिए जरूरी नियामकीय मंजूरियां ली जाएंगी। हालांकि, इस संबंध में एयर इंडिया और विस्तारा ने कोई बयान नहीं दिया है।

6 महीने में 50 फीसदी ऊपर जा चुके हैं शेयर

इंडिगो की पैरेंट कंपनी इंटरग्लोब एविएशन के शेयर पिछले 6 महीने में लगभग 50 फीसदी ऊपर जा चुके हैं। फिलहाल इंडिगो भारत की सबसे बड़ी एयरलाइन है। ब्लूमबर्ग के आंकड़ों के अनुसार, एयर चाइना इस लिस्ट में 14.5 अरब डॉलर के साथ 5वें नंबर पर, सिंगापुर एयरलाइन्स 14.3 अरब डॉलर के साथ 6वें, यूनाइटेड एयरलाइन्स 14.3 अरब डॉलर के साथ 7वें और टर्किश एयरलाइन्स 13.2 अरब डॉलर मार्केट कैप के साथ 8वें नंबर पर रही है।

बीएसई 354 अंक चढ़कर 75,038.15 अंक पर बंद

सेंसेक्स पहली बार 75,000 अंक के ऊपर बंद, निफ्टी भी नए शिखर पर

तेजी से निवेशकों की पूंजी 2.27 लाख करोड़ रुपए बढ़ी

एफएमसीजी, ऊर्जा तथा धातु शेयरों में लाभ से बाजार में रही तेजी

एजेंसी ▶▶| मुंबई

तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 354.45 अंक की बढ़त के साथ अपने अबतक के उच्चतम स्तर 75,038.15 अंक पर बंद हुआ।

कारोबार के दौरान एक समय यह 421.44 अंक की तेजी के साथ 75,105.14 अंक के नये रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया था। निफ्टी भी 111.05 अंक की बढ़त के साथ 22,753.80 अंक के अपने अबतक के उच्चतम स्तर पर बंद हुआ।

पहली बार 75 हजार के पार सेंसेक्स बंद

उल्लेखनीय है कि दोनों मानक सूचकांक मंगलवार को कारोबार के दौरान सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर पहुंच गये थे। सेंसेक्स पहली बार 75,000 के ऊपर पहुंचा था। लेकिन बाद में मुनाफावसूली से यह नुकसान में रहा था।

स्माल व मिड कैप में अच्छी तेजी रही

जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, 'घरेलू बाजार में तेजी का रुख बना हुआ है। इसका कारण छोटी (स्मॉल कैप), मझोली (मिड कैप) और बड़ी कंपनियों (लार्ज कैप) के शेयरों में अच्छी तेजी का होना है...।' उन्होंने कहा कि निवेशकों की नजर फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की बैठक के ब्योरे और अमेरिका में मुद्रास्फीति के आंकड़े पर है।

निफ्टी 111 अंक बढ़कर 22,753.80 अंक के उच्चतम स्तर पर

घरेलू शेयर बाजार में बुधवार को तेजी लौटी और बीएसई सेंसेक्स 354 अंक चढ़कर पहली बार 75,000 अंक के ऊपर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी नए रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुआ। मुख्य रूप से दैनिक उपयोग का सामान बनाने वाली कंपनियों (एफएमसीजी), ऊर्जा तथा धातु शेयरों में लाभ से बाजार में तेजी रही।

इन शेयरों में रही घट-बढ़

सेंसेक्स के शेयरों में आईटीसी, कोटक महिंद्रा बैंक, भारती एयरटेल, भारतीय स्टेट बैंक, एशियन पेंट्स, टेक महिंद्रा, रिलायंस इंडस्ट्रीज और नेस्ले प्रमुख रूप से लाभ में रहे। दूसरी तरफ नुकसान में रहने वाले शेयरों में मारुति, एचडीएफसी बैंक, लार्सन एंड टुब्रो और महिंद्रा एंड महिंद्रा शामिल हैं।

एशियाई बाजार में मिला-जुला रुख

एशिया के अन्य बाजारों में जापान का निक्की और चीन का शंघाई कम्पोजिट नुकसान में जबकि हांगकांग का हैंगसेंग बढ़त में रहे। दक्षिण कोरिया में चुनाव के कारण बाजार बंद रहे। यूरोप के प्रमुख बाजारों में शुरुआती कारोबार में तेजी का रुख रहा। अमेरिकी बाजार वॉल स्ट्रीट मंगलवार को कमोबेश लाभ में रहा।

निवेशकों का मुनाफा 2.27 लाख करोड़ बढ़ा

निवेशकों की संपत्ति में 2.27 लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी दर्ज की गई। इस तेजी के बीच बीएसई पर सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण 2,27,024.52 करोड़ रुपये बढ़कर 4,02,19,353.07 करोड़ रुपये (4.83 लाख करोड़ डॉलर) के अपने सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। बीएसई पर सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार मूल्यांकन सोमवार को पहली बार 400 लाख करोड़ रुपये के आगे निकला था।

रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर का शेयर 20 प्रतिशत टूटा

रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर के शेयर में बुधवार को 20 प्रतिशत की गिरावट आई। उच्चतम न्यायालय के दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) को राहत देने के बीच कंपनी के शेयर में गिरावट आई। बीएसई पर कंपनी शेयर 19.99 प्रतिशत की गिरावट के साथ 227.40 रुपये पर बंद हुआ। यह इसका निचला सर्किट स्तर है। एनएसई पर यह 20 प्रतिशत गिरकर 227.60 रुपये पर रहा। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 2,250.02 करोड़ रुपये घटकर 9,008.02 करोड़ रुपये रह गया।

सोना पहली बार 72,000 रुपए पर, चांदी का भी नया रिकॉर्ड

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

- सोना 160 रुपए बढ़कर 72 हजार पर कारोबार कर रहा
- चांदी 84,700 रुपए प्रति किलो की नई ऊंचाई पर पहुंची

वैश्विक बाजारों से मजबूती के रुख के बीच बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में सोने और चांदी की कीमतें एक और नए रिकार्ड स्तर पर पहुंच गईं। सोना पहली बार 72,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंच गया। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने यह जानकारी दी।

राष्ट्रीय राजधानी में सोने की कीमत 160 रुपये बढ़कर 72,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के उच्चतम स्तर पर पहुंच गईं। मंगलवार को यह रिकॉर्ड 71,840 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। चांदी की कीमत भी 200 रुपये की तेजी के साथ 84,700 रुपये प्रति किलोग्राम की नयी रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के शोध विश्लेषक सौमिल गांधी ने कहा, 'विदेशी बाजारों में मजबूती के रुख से संकेत लेते हुए दिल्ली के बाजारों में 24 कैरेट सोने की हाजिर कीमत 72,000 रुपये प्रति 10 ग्राम की ताजा रिकॉर्ड ऊंचाई पर कारोबार कर रही थी, जो पिछले बंद भाव से 160 रुपये की बढ़त है।' अंतरराष्ट्रीय बाजार में हाजिर सोना 2,356 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था, जो पिछले बंद भाव से छह डॉलर अधिक है। गांधी ने कहा कि बुधवार को यूरोपीय कारोबार के घंटों में सोने में तेजी जारी रही।

अमेरिकी बाजार में भी सराफा तेज

दमानी ने कहा, 'अमेरिकी उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) के साथ फेडरल रिजर्व की मार्च बैठक का विवरण भी बुधवार को बाद में आने वाला है।' इसके अलावा चांदी की कीमतें भी मामूली बढ़त के साथ 28.10 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गईं। पिछले सत्र में यह 28.04 डॉलर प्रति औंस पर बंद हुई थी।

एनएसई ने अपने मुखिया के डीपफेक वीडियो पर निवेशकों को किया सजग

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

- कथित तौर पर कुछ शेयरों की सिफारिश करते नजर आ रहे
- प्रौद्योगिकी की दुरुपयोग कर चौहान की आवाज का इस्तेमाल

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने अपने प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) आशीषकुमार चौहान के उस डीपफेक वीडियो को लेकर निवेशकों को आगाह किया है जिसमें वह कथित तौर पर कुछ शेयरों की सिफारिश करते हुए नजर आ रहे हैं।

एनएसई ने बुधवार को जारी बयान में कहा कि प्रौद्योगिकी का दुरुपयोग कर बनाए गए कुछ निवेश एवं सलाह संबंधी ऑडियो-वीडियो क्लिप में चौहान के चेहरे एवं आवाज और एनएसई के प्रतीक चिह्न का इस्तेमाल किया गया है। एक्सचेंज ने कहा, 'ऐसा लगता है कि ऐसे वीडियो चौहान की आवाज और चेहरे के भावों की नकल करने के लिए परिष्कृत प्रौद्योगिकी की मदद से बनाए गए हैं।' डीपफेक का आशय कृत्रिम मेधा (एआई) का इस्तेमाल कर किसी व्यक्ति को गलत ढंग से पेश करना है। इसमें हेराफेरी के जरिये किसी व्यक्ति को ऐसी हरकत करते हुए या ऐसी बात कहते हुए दिखाया जाता है जो उसने कभी कहा और किया ही नहीं है।

एनएसई कर्मचारी किसी स्टॉक की सिफारिश नहीं करते : इसके साथ ही एक्सचेंज ने यह बात रेखांकित की है कि एनएसई के कर्मचारी किसी भी स्टॉक की सिफारिश करने या उन शेयरों में सौदे करने के लिए अधिकृत नहीं हैं। एनएसई ने कहा कि वह इस तरह के वीडियो को मीडिया मंचों से हटाने का अनुरोध करने में जुटा है।

निवेशक मीडिया हैंडल की जांच करे

एक्सचेंज ने निवेशकों से एनएसई की ओर से भेजे गए संचार और सामग्री के स्रोत के सत्यापन और आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल की जांच करने के लिए भी कहा है।

टेस्ला के सीईओ मस्क इसी माह भारत आएंगे

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

- प्रधानमंत्री मोदी से करेंगे मुलाकात
- निवेश योजना का करेंगे खुलासा

टेस्ला के प्रमुख एलन मस्क अप्रैल महीने में भारत दौरे पर आ रहे हैं और इस दौरे के दौरान वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करेंगे। ये माना जा रहा कि भारत के दौरे पर यहां वे निवेश योजना का खुलासा करने के साथ करने के साथ टेस्ला के नए प्लांट डालने की घोषणा कर सकते हैं।

रॉयटर्स ने अपने रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया कि दुनिया के सबसे अमीर एलन मस्क अप्रैल महीने के 22 अप्रैल से शुरू हो रहे हफ्ते में भारत दौरे पर आयेंगे। इस दौरे के दौरान वे पीएम मोदी से मिलेंगे। इस मुलाकात के बाद वे अलग से भारत में अपने निवेश करने के प्लान का खुलासा करेंगे। सूत्रों ने अपनी पहचान बताने से इंकार करते हुए कहा कि ये दौरा बेहद गोपनीय है। प्रधानमंत्री कार्यालय और टेस्ला ने इस मुद्दे पर कुछ भी कहने से इंकार किया है। हालांकि एलन मस्क के भारत दौरे के एजेंडे में बदलाव भी देखने को मिल सकता है। इससे पहले भी ये खबर आई थी कि टेस्ला के अधिकारी इस महीने मैन्युफैक्चरिंग प्लांट्स के लोकेशन को देखने के लिए भारत दौरे पर आ सकते हैं। टेस्ला के मैन्युफैक्चरिंग प्लांट पर 2 बिलियन डॉलर के निवेश की संभावना जताई जा रही है। ये माना जा रहा कि टेस्ला की टीम अपने प्रस्तावित प्लांट के लिए उपयुक्त जगह तलाशने के लिए कई राज्यों का दौरा कर सकती है।

सरकार की नई ईवी पॉलिसी

एलन मस्क ने भी टेस्ला की भारत में एंट्री के संकेत दिए हैं। भारत सरकार की नई ईवी पॉलिसी के एलान के बाद से ही भारत में टेस्ला की एंट्री के कयास तेज हो गए थे। सरकार ने नई ईवी पॉलिसी में देश में प्रोडक्शन पर निवेश करने वाली कंपनियों को छूट प्रदान की है। नई ईवी पॉलिसी में 50 करोड़ डॉलर से ज्यादा निवेश करने वाली कंपनियों को 5 साल के लिए 15 फीसदी कस्टम्स ड्यूटी का फायदा देने का की घोषणा की गई है।

मार्च में इक्विटी म्यूचुअल फंड में आया 22,633 करोड़

नई दिल्ली। इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश मार्च में एक महीने पहले की तुलना में 16 प्रतिशत घटकर 22,633 करोड़ रुपये रहा है। म्यूचुअल फंड कंपनियों के निकाय एम्फी ने बुधवार को मार्च महीने के आंकड़े जारी किए। इक्विटी फंड में शुद्ध प्रवाह का सिलसिला लगातार 37वें महीने यानी मार्च में भी जारी रहा। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के मुताबिक, म्यूचुअल फंड उद्योग ने कुल मिलाकर फरवरी में 1.2 लाख करोड़ रुपये का प्रवाह देखा गया था, जबकि मार्च में 1.6 लाख करोड़ रुपये की बड़ी निकासी हुई। इस निकासी की बड़ी वजह यह रही कि ऋण-आधारित म्यूचुअल फंड योजनाओं में 1.98 लाख करोड़ रुपये की निकासी की गई।

मुआवजा राशि लौटाने की देनदारी हम पर नहीं आती

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

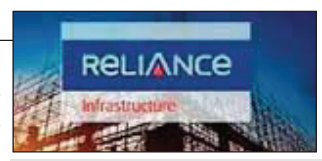

- रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर ने किया स्पष्ट
- न्यायाधिकरण ने डीएएमईपीएल के पक्ष में दिया फैसला

अनिल अंबानी की अगुवाई वाली रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड ने बुधवार को कहा कि 8,000 करोड़ रुपये मुआवजा देने के मध्यस्थता न्यायाधिकरण के फैसले को निरस्त करने के उच्चतम न्यायालय के आदेश से उसपर कोई देनदारी नहीं आई है। मध्यस्थता न्यायाधिकरण ने दिल्ली एयरपोर्ट मेट्रो एक्सप्रेस प्राइवेट लिमिटेड (डीएएमईपीएल) के पक्ष में फैसला देते हुए दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) को आदेश दिया था कि वह समझौता रद्द करने के एवज में उसे 8,000 करोड़ रुपये का मुआवजा दे। इस फैसले के बाद डीएमआरसी अब तक 3,300 करोड़ रुपये का भुगतान रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर को कर चुकी थी। डीएएमईपीएल रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर की अनुषंगी इकाई है। उच्चतम न्यायालय ने मध्यस्थता न्यायाधिकरण का फैसला रद्द करते हुए कहा कि डीएएमईपीएल को अब तक दी जा चुकी समूची राशि वापस करनी होगी।

हार्टेक पावर को 474 करोड़ की सौर परियोजना मिली

नई दिल्ली। हार्टेक पावर को राजस्थान में 300 मेगावाट की सौर परियोजना के विकास के लिए 474 करोड़ रुपये का ठेका मिला है। कंपनी ने बयान में कहा, एक प्रमुख वैश्विक नवीकरणीय स्वतंत्र बिजली उत्पादक से यह ठेका मिला है। परियोजना में राजस्थान में 1,209 एकड़ में फैले 300 मेगावाट के 'ग्राउंड-माउंट' सौर पीवी बिजली संयंत्र का विकास शामिल है। कंपनी हार्टेक समूह की बिजली प्रणाली व नवीकरणीय ढांचा शाखा है। हार्टेक समूह की स्थापना 1991 में की गई थी। यह भारत में सबसे तेजी से बढ़ती कंपनियों में से एक है जो इंजीनियरिंग, निर्माण, नवीकरणीय ऊर्जा, प्रौद्योगिकी, ईंधन और विनिर्माण क्षेत्र में सेवाएं प्रदान करती हैं।

भारत उन 5 देशों में शामिल है, जो अपनी गाड़ियों को खुद सेफ्टी रेटिंग देते हैं

मारुति की ग्रैंड विटारा-ब्रेजा को मिली 5 स्टार सेफ्टी रेटिंग

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

मारुति सुजुकी की कुछ गाड़ियों को भारत एनसीएपी (भारत न्यू कार असिसमेंट प्रोग्राम) ने सेफ्टी रेटिंग दी है। मारुति की इन गाड़ियों को 5-स्टार सेफ्टी रेटिंग मिली है। सूत्रों के मुताबिक, मारुति ब्रेजा, मारुति ग्रैंड विटारा, मारुति बलेनो को सेफ्टी रेटिंग में 5-स्टार मिले हैं। पिछले साल दिसंबर में भारत एनसीएपी ने कारों की क्रैश टेस्टिंग शुरू की थी, जिसमें टाटा सफारी और टाटा हैरियर को 5-स्टार सेफ्टी रेटिंग मिली थी।

- पिछले साल दिसंबर में भारत एनसीएपी ने कारों की क्रैश टेस्टिंग शुरू की थी

मारुति सुजुकी ने भारत एनसीएपी में सेफ्टी रेटिंग पाने के लिए भारत एनसीएपी में आवेदन किया था, जिसके बाद मारुति के वाहनों को 5-स्टार रेटिंग मिली है। भारत सरकार के सड़क परिवहन और हाईवे मंत्रालय ने अगस्त 2023 में देश में क्रैश टेस्टिंग प्रोग्राम शुरू करने की घोषणा की थी, जिससे भारतीय सड़कों पर सुरक्षित गाड़ियों को उतारा जा सके। सूत्रों के मुताबिक, इसी प्रोग्राम के तहत भारत एनसीएपी ने मारुति सुजुकी की बलेनो, ग्रैंड विटारा और ब्रेजा को 5-स्टार सेफ्टी रेटिंग दी है।

ग्लोबल एनसीएपी से अलग है भारत एनसीएपी

भारत एनसीएपी, ग्लोबल एनसीएपी की तर्ज पर ही शुरू हुआ है। भारत एनसीएपी को देश में चलने वाले व्हीकल्स को ध्यान में रखते हुए शुरू किया गया है। अब भारत, दुनिया के उन 5 देशों में शामिल हो गया है, जो देश अपनी गाड़ियों को खुद सेफ्टी रेटिंग देते हैं। इन देशों में भारत के अलावा यूनाइटेड स्टेटस, चीन, साउथ कोरिया और जापान हैं।

भारत एनसीएपी ने दी सेफ्टी रेटिंग

भारत एनसीएपी ने साल 2023 के दिसंबर महीने में कारों की क्रैश टेस्टिंग शुरू की, जिसमें टाटा की गाड़ियों को 5-स्टार रेटिंग मिली। भारत एनसीएपी से 5-स्टार सेफ्टी रेटिंग मिलने में टाटा की सफारी और हैरियर कार शामिल हैं। इसके अलावा बाकी कार निर्माता कंपनी भी हुंडई और महिंद्रा भी अपने वाहनों पर भारत एनसीएपी से सेफ्टी रेटिंग पाने के लिए कतार में हैं।

मारुति ने स्विफ्ट के दाम 25,000 रुपए तक बढ़ाए

वाहन बनाने वाली प्रमुख कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया ने अपने लोकप्रिय मॉडल स्विफ्ट की कीमत 25,000 रुपए तक बढ़ा दी है। इसके अलावा स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल (एसयूवी) ग्रैंड विटारा के चुनिंदा मॉडल के दाम भी बढ़ाये गए हैं। मारुति सुजुकी ने बुधवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि स्विफ्ट की कीमत 25,000 रुपए तक बढ़ाई गई है। इसी तरह, ग्रैंड विटारा के सिग्मा वैरिएंट की कीमत 19,000 रुपए तक बढ़ा दी गई है।

एनआईआईएफ ने आईबस में किया 20 करोड़ डॉलर निवेश

मुंबई। नेशनल इन्वेस्टमेंट एंड इंफ्रास्ट्रक्चर फंड (एनआईआईएफ) ने डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर प्लेयर आईबस नेटवर्क एंड इंफ्रास्ट्रक्चर में 20 करोड़ अमेरिकी डॉलर (करीब 1,660 करोड़ रुपये) के निवेश की बुधवार को घोषणा की। बयान के अनुसार, आईबस अपनी क्षमताओं का विस्तार करने के लिए परिचालन बढ़ाने और अधिग्रहण के जरिये वृद्धि को गति देने को लेकर कोष का इस्तेमाल करेगी। एनआईआईएफ ने अपने 'मास्टर फंड' से कंपनी में निवेश किया है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक कुलदीप राव के लिए महारानी प्रिन्टर्स 17, मां वैष्णो देवी नगर, कालवाड़ रोड़, जयपुर, 302012 राज. से मुद्रित एवं प्रकाशित, संपादक कुलदीप राव मो.- 9694237422,
सिटी कार्यालयः मोटर मार्केट, वार्ड नं.18 नया 23, सरदारशहर चूरू, (राज.), मुय कार्यालयः 42, कोस्मो कॉलोनी, विनायक रेजीडेन्सी, वैशाली नगर, जयपुर।